संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक दैनन्दिनी.

■ वर्ष -17 ■ अंक-127 ■ रायपुर, रविवार 04 अक्टूबर 2026 ■ रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित ■ CHHHIN/2010/34274 पृष्ठ 8 ■ मूल्य-2.00 रुपये

आज का पंचांग



तिथि : नवमी
नक्षत्र : पुनर्वसु
प्रथम करण : तैतिल
द्वितीय करण : गारा
पक्ष : कृष्ण
वार : रविवार
योग : परिघा
सूर्योदय : 06:15
सूर्यास्त : 17:56
चंद्रमा : मिथुन राशि में
राहुकाल : 16:29 - 17:56
विक्रमी संवत् : 2083
शक संवत : 1948
मासः आश्विन
शुभ मुहूर्त अभिजीत : 11:42 - 12:29

तुर्किये से भारत लाया गया ड्रग तस्कर नवप्रीत सिंह

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करी नेटवर्क के खिलाफ भारतीय एजेंसियों को बड़ी कामयाबी मिली है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को बताया कि कथित नार्को-ट्रैफिकिंग सरगना नवप्रीत सिंह को तुर्किये से भारत डिपोर्ट कर दिया गया है। शाह के मुताबिक, नवप्रीत ने 'नवाब विर्क' नाम की फर्जी पहचान के जरिए तुर्किये की नागरिकता हासिल की थी और उस दौरान अफगानिस्तान से भारत में हेरोइन और मेथामफेटामाइन की कथित तस्करी करता रहा। अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर बताया कि भारतीय एजेंसियों ने नवप्रीत सिंह की गतिविधियों का पता लगाया और उसकी वास्तविक पहचान सामने लाई। इसके बाद तुर्किये से उसे भारत वापस लाने की प्रक्रिया पूरी की गई। शाह के मुताबिक, भारत लौटने के बाद नवप्रीत सिंह को ड्रग तस्करी और अन्य आपराधिक मामलों में हिरासत में लिया गया है। गृह मंत्री के अनुसार, नवप्रीत सिंह पर अफगानिस्तान से भारत तक हेरोइन और मेथामफेटामाइन की तस्करी से जुड़े होने का आरोप है।

43वीं मंजिल से कूदकर युवक ने की आत्महत्या, शरीर के हुए कई टुकड़े

नोएडा। नोएडा की सुपरनोवा बिल्डिंग की 43वीं मंजिल से एक युवक ने कूदकर जान दे दी है। जानकारी के मुताबिक युवक सुपरनोवा के AIR BNB में रुका था। वहीं 43वीं मंजिल से गिरने के बाद युवक के शरीर के कई टुकड़े हो गए। फिलहाल युवक के आत्महत्या की वजह सामने नहीं आई है। सूचना मिलने के बाद पुलिस की टीम भी मौके पर पहुंची। पुलिस ने युवक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल पुलिस की टीम मामले की जांच कर रही है। इस क्रम में आस-पास के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं और संबंधित लोगों से पूछताछ भी की जा रही है। फिलहाल युवक की आत्महत्या की वजह अभी स्पष्ट नहीं हो सकी है।

दरअसल, पूरी घटना नोएडा के सेक्टर-94 की है। यहां स्थित सुपरनोवा की स्पायरा बिल्डिंग में शनिवार को एक युवक ने बालकनी से कूदकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलते ही थाना सेक्टर-126 पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस के मुताबिक मृतक की पहचान संभव जैन के रूप में हुई है। वह हरियाणा के गुरुग्राम स्थित मानेसर का रहने वाला था।

वैश्विक निवेश मानचित्र पर छत्तीसगढ़ की मजबूत पहचान बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

SING फोरम 2026 में सहभागिता के लिए सिंगापुर पहुंचे मुख्यमंत्री साय

रायपुर ■ दैनन्दिनी

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय राज्य में निवेश की नई संभावनाओं को विस्तार देने के उद्देश्य से आज सिंगापुर पहुंचे। सिंगापुर पहुंचने पर भारत के उच्चायुक्त डॉ. शिल्पक अंबुले ने मुख्यमंत्री श्री साय का आत्मीय स्वागत किया।

भारत सरकार के विदेश मंत्रालय द्वारा प्रथम SING फोरम 2026 में सहभागिता के लिए छत्तीसगढ़ को नमित किया गया है। सिंगापुर बिजनेस फेडरेशन द्वारा आयोजित इस प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय मंच पर छत्तीसगढ़ को अपनी उपलब्धियों, विकास की अपार संभावनाओं और निवेश के आकर्षक अवसरों को वैश्विक निवेशकों के समक्ष प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा।

मुख्यमंत्री श्री साय SING फोरम 2026 में छत्तीसगढ़ की ओर से सहभागिता करेंगे। फोरम के दौरान आयोजित CEO राउंडटेबल में वे सिंगापुर के प्रमुख निवेशकों एवं उद्योग जगत के प्रतिनिधियों से विस्तृत चर्चा करेंगे। इस दौरान प्रदेश में निवेश की संभावनाओं और विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध अवसरों को प्रमुखता से रखा जाएगा। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि राज्य सरकार का दृढ़ प्रयास है कि नई औद्योगिक नीति, प्रचुर प्राकृतिक संसाधन, सुदृढ़ अधोसंरचना, कुशल मानव संसाधन तथा उभरते क्षेत्रों में उपलब्ध संभावनाओं के माध्यम से छत्तीसगढ़ को देश के प्रमुख निवेश गंतव्यों में स्थापित किया जाए। उन्होंने कहा कि वैश्विक निवेश मानचित्र पर छत्तीसगढ़ की मजबूत पहचान बनाना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री श्री साय की SING फोरम 2026 में सहभागिता वैश्विक निवेशकों के समक्ष छत्तीसगढ़ की विकास संभावनाओं और निवेश अवसरों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने का महत्वपूर्ण अवसर होगी।



एशियन गेम्स में भारतीय मैंस हॉकी टीम ने रचा इतिहास

मलेशिया को 5-1 से हराकर जीता गोल्ड मेडल



नई दिल्ली ■ एजेंसी

एशियन गेम्स 2026 में भारत और मलेशिया के बीच मेंस हॉकी का फाइनल मैच खेला गया। इस मुकाबले में टीम इंडिया ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मलेशिया को 5-1 से हराकर गोल्ड मेडल अपने नाम किया। एशियन गेम्स में पहली बार हुआ है जब भारत की मेंस और पुरुष टीम दोनों ने हॉकी में गोल्ड मेडल जीता है। इस जीत के साथ ही टीम इंडिया ने 2028 में होने वाले लॉस एंजिलिस ओलंपिक का टिकट भी हासिल कर लिया है। इस मुकाबले में भारतीय हॉकी प्लेयर्स ने पहले, दूसरे, तीसरे क्वार्टर में गोल किए। वहीं मलेशिया की तरफ से एकमात्र गोल पहले क्वार्टर में आया था।

भारत ने मैच की शुरुआत से ही मलयेशिया पर दबाव बनाने की कोशिश की। शुरुआती कुछ मिनटों में भारतीय टीम थोड़ा संभलकर और बचाव करते हुए खेली, लेकिन जल्द ही उसने आक्रामक हमले करने शुरू कर दिए। भारत को पहले एक पेनल्टी कॉर्नर मिला, जिसे वे गोल में नहीं बदल सके। हालांकि कुछ ही मिनटों बाद भारत को दूसरा पेनल्टी कॉर्नर मिला और 11वें मिनट में कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने गोल करके भारत को 1-0 की बढ़त दिला दी। लेकिन यह खुशी ज़्यादा देर नहीं टिकी; ठीक तीन मिनट बाद मलयेशिया के खिलाड़ी शेलो सिलवेरियस ने शानदार मैदानी गोल दागकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। दूसरे क्वार्टर में मलयेशिया का खेल बदला हुआ दिखा और उसने ज्यादा आक्रामक होकर खेलना शुरू किया। लेकिन भारत को सही समय पर पेनल्टी कॉर्नर मिल गया और 23वें मिनट में जुगराज सिंह ने इसे गोल में बदलकर भारत को बढ़त दिला दी। इसके बाद मलयेशिया ने बराबरी करने के लिए पूरा जोर लगाया, लेकिन भारतीय टीम ने उन्हें कोई मौका नहीं दिया और हाफ टाइम तक अपनी इस बढ़त को बनाए रखा। हाफ टाइम तक टीम इंडिया 2-1 से आगे थी।

तीसरे क्वार्टर में भारत ने किया एक गोल

तीसरे क्वार्टर में भारत को गोल करने के कई मौके मिले, लेकिन टीम शुरुआत में उनका फायदा नहीं उठा सकी। पहले जुगराज पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करने से चूक गए और फिर नीलकांत भी मैदानी गोल नहीं कर पाए। इसके बाद भारत को एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला, पर कप्तान हरमनप्रीत सिंह भी गोल नहीं दाग सके। इसके तुरंत बाद भारत को एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला। हरमनप्रीत ने जब शॉट मारा, तो मलयेशियाई खिलाड़ी से टकराकर गेंद रुक गई, जिस पर भारत को पेनल्टी स्ट्रोक मिल गया। 42वें मिनट में हार्दिक सिंह ने इस मौके को भुनाया और गोल करके भारत का स्कोर 3-1 कर दिया।

आखिरी क्वार्टर में भारत ने दागे दो गोल

चौथे क्वार्टर में भारत अपनी बढ़त को और बढ़ाना चाहता था। मलेशिया से कुछ गलतियां हुईं, जिनका भारतीय टीम ने पूरा फायदा उठाया। भारत को इस क्वार्टर में लगातार कई पेनल्टी कॉर्नर मिले। मलेशिया ने बचाव तो अच्छा किया, लेकिन 54वें मिनट में शिलानंद लाकड़ा ने मैदानी गोल करके स्कोर 4-1 कर दिया।

एशिया कप विजेता गीता यादव से मिले उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा



कवर्धा ■ दैनन्दिनी

उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक श्री विजय शर्मा ने अपने कवर्धा निवास कार्यालय में जूनियर महिला एशिया कप-2026 की विजेता भारतीय हॉकी टीम की सदस्य गीता यादव से मुलाकात कर उन्हें महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्होंने कहा कि आगे भी सफलता के नए कीर्तिमान प्राप्त करें। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि कवर्धा की बेटी ने देश-प्रदेश का मान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ाया है। इस दौरान श्री शर्मा ने गीता से उनकी अब तक की खेल यात्रा, अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के अनुभव, प्रशिक्षण और भविष्य के लक्ष्यों के बारे में विस्तार से बातचीत की।

कबीरधाम जिले के बोड़ला की रहने वाली गीता यादव ने चीन के मोकी में आयोजित एएचएफ महिला जूनियर एशिया कप-2026 में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व किया। भारतीय टीम ने 13 सितंबर को खेले गए रोमांचक फाइनल में मेजबान चीन को 1-0 से पराजित कर खिताब अपने नाम किया। इस जीत के साथ भारत ने लगातार तीसरी बार महिला जूनियर एशिया कप का खिताब जीता और एफआईएच जूनियर महिला विश्व कप के लिए भी क्वालीफाई किया।

टूर्नामेंट में मिडफील्डर के रूप में खेलीं गीता ने अपनी प्रतिभा की विशेष छाप छोड़ी। उन्होंने प्रतियोगिता में कुल चार गोल किए। मलेशिया के विरुद्ध भारत की 11-1 की बड़ी जीत में गीता ने दो गोल दागे, वहीं जापान के खिलाफ 7-0 की जीत में भी उन्होंने दो गोल कर टीम की जीत में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने गीता की उपलब्धि की सराहना करते हुए कहा कि एक सामान्य किसान परिवार से निकलकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करना कड़ी मेहनत, अनुशासन और दृढ़ संकल्प का परिणाम है। गीता ने अपनी प्रतिभा से कवर्धा के साथ पूरे छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ाया है। उनकी सफलता क्षेत्र की नई पीढ़ी, विशेषकर खेलों में आगे बढ़ने का सपना देख रही बेटियों के लिए प्रेरणादायी है।

भारत की आर्थिक मजबूती समावेशी विकास पर निर्भर करेगी: उपराष्ट्रपति



नई दिल्ली ■ एजेंसी

उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने शनिवार को कहा कि देश की आर्थिक मजबूती आखिरकार इस बात पर निर्भर करेगी कि विकास का फायदा हर नागरिक और क्षेत्र तक पहुंचता है या नहीं। '5वें कौटिल्य इकोनॉमिक कॉन्क्लेव' में उद्घाटन भाषण देते हुए, उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने कहा कि मुश्किल हालात का सामना करने की असली क्षमता का पैमाना यह है कि हम यह सुनिश्चित करें कि कोई भी नागरिक या कोई भी क्षेत्र पीछे न छूटे। सिर्फ जीडीपी ही विकास का पैमाना नहीं हो सकता। उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने समावेशी एजेंडे में महिलाओं की भागीदारी को केंद्र में रखा। उन्होंने कहा कि शिक्षा और आर्थिक मौकों तक पहुंच मिलने से महिलाएं ज्यादा से ज्यादा लीडरशिप की भूमिकाएं निभा पाएंगी। उन्होंने कहा, हम महिलाओं को सशक्त बनाना चाहते हैं, उन्हें शिक्षा का अधिकार देना चाहते हैं और वे खुद को सशक्त बनाएंगी। उन्होंने कहा कि भारत एक विकासशील अर्थव्यवस्था से विकसित अर्थव्यवस्था बनने के अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते हुए सकारात्मक बदलाव के दौर से गुजर रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि नीति-निर्माताओं को मुख्य विकास दर के साथ-साथ समावेशिता पर भी ध्यान देना होगा।

इंडिया गठबंधन सीईसी को हटाने की मांग पर अड़ा केसी वेणुगोपाल का बीजेपी पर तीखा हमला

नई दिल्ली ■ एजेंसी

कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने शुक्रवार को कहा कि पार्टी और INDIA गठबंधन के नेता गिरफ़्तारी का सामना करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत के चुनाव आयोग के ज़रिए आम लोगों के वोट "छीने" जा रहे हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के ख़िलाफ़ हो रहे विरोध प्रदर्शनों पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि यह कांग्रेस के लिए करो या मरो की लड़ाई है।



वेणुगोपाल ने कहा, "यह देश के लोकतंत्र को बचाने और आम आदमी के वोट की रक्षा करने की लड़ाई है। मोदी और शाह, भारत के चुनाव आयोग के ज़रिए आम लोगों के वोट छीन रहे हैं। इसलिए, यह कांग्रेस पार्टी, INDIA गठबंधन और सभी विपक्षी दलों के लिए 'करो या मरो' की लड़ाई है। हम ऐसा नहीं होने देंगे। विरोध प्रदर्शन के दौरान कई नेताओं को हिरासत में लिए जाने के बीच, वेणुगोपाल ने कहा कि वे जेल जाने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा आज की गिरफ्तारी? हाँ। आने वाले दिनों में और गिरफ्तारियाँ होंगी। हम लोकतंत्र को बचाने के लिए जेल जाने को तैयार हैं। और उनके नेता जेल जाएँगे। हम तैयार हैं। उन्हें हमें भरने के लिए सभी जेलें तैयार करने दें। मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ विपक्षी आंदोलन जारी रहेगा; INDIA ब्लॉक ने विरोध प्रदर्शनों की एक श्रृंखला की योजना बनाई है, जिसमें 6 अक्टूबर को एक कार्यक्रम और 1 नवंबर को दिल्ली में एक रैली शामिल है।

इससे पहले बुधवार को वेणुगोपाल ने कहा कि INDIA ब्लॉक की पार्टियों ने, जिनकी बुधवार को बैठक हुई थी, CEC ज्ञानेश कुमार को हटाने और भविष्य के सभी चुनावों के लिए SIR-पूर्व मतदाता सूची का उपयोग करने की मांग की है।

प्रेमिका पर चाकू से हमला

सनकी आशिक ने घर में घुसकर दिया वारदात को अंजाम

धमतरी ■ एजेंसी

छत्तीसगढ़ के धमतरी से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां एक प्रेमी ने अपनी प्रेमिका पर चाकू से हमला कर दिया। इस चाकूबाजी में वो गंभीर रूप से घायल हो गई है, जिसका इलाज जारी है। वहीं पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। यह पूरा मामला कुरूद थाना क्षेत्र का है। युवती की पहचान अनीता मंडावी के रूप में हुई है, जो कि कोंडागांव की रहने वाली है और बालाजी राइस मिल में काम करती है। वहीं युवक की पहचान दिलेश्वर के रूप में हुई है, जो



कि भाटा गांव का रहने वाला है और वो भी अनीता के साथ काम करता है। बताया जा रहा है कि दोनों के बीच काफी वक्त से प्रेम प्रसंग चल रहा है। दिलेश्वर अपने पैसों से अनीता के मोबाइल में रिचार्ज करवाता था, लेकिन उसे शक था कि उसके किए रिचार्ज से अनीता किसी और से घंटों बातें किया करती थी। इसी शक के चलते दिलेश्वर ने अनीता के घर में घुसकर उसपर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया।

हमले में लड़की की कमर और जांघ समेत कई हिस्सों पर गहरे जख्म आए हैं। सबसे पहले उसे कुरूद अस्पताल ले जाया गया, लेकिन नाजुक हालत को देखते हुए उसे धमतरी के एक प्राइवेट अस्पताल में रेफर कर दिया गया।

फिलहाल कुरूद पुलिस ने इस सनकी आशिक को गिरफ्तार कर लिया है और आगे की तफ्तीश में जुट गई है।

मंत्री के घर चोरी,बेटे ने दर्ज कराई FIR

राजगढ़ (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले के सुठालिया थाना क्षेत्र के सेमलापार गांव में मध्य प्रदेश शासन के मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विभाग राज्य मंत्री नारायण सिंह पंवार के घर में अज्ञात चोर ने ताले तोड़ कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। इस दौरान कर राज्य मंत्री के घर से पेटी का ताला तोड़कर ₹80000 नगद चुरा कर ले गया। इस घटना के बाद पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की है। राजगढ़ जिले में राज्य मंत्री के घर हुई चोरी की वारदात के बाद अब पुलिस की कानून व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हो गए हैं।

सुठालिया थाना प्रभारी अनिल राहोरिया ने बताया कि सेमलापार गांव में राज्य मंत्री की पत्नी राजेश्वरी पंवार रहती है। कुछ काम से गुरुवार शाम को ब्यावरा आ गई थी इसके बाद रात में मकान का ताला लगा हुआ था। इसी बीच चोर ने मौका पाकर सुने मकान का ताला तोड़ दिया।

शाहरुख खान से लेकर रणवीर सिंह तक, कैप्टन स्मित मच्छार का कायल हुआ बॉलीवुड, सलमान खान बोले- 'कमाल कर दिया पायलट जी'

मुंबई (एजेंसी)। दुबई की एक फ्लाइट में हवा में हुई एक डरावनी घटना के दौरान, भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मच्छार ने जिस तरह अपनी हिम्मत और सूझबूझ का परिचय दिया, जिसके लिए उनकी हर तरफ तारीफ हो रही है। अपने साहस और वीरता के लिए उन्हें पूरी दुनिया से तारीफें मिल रही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी स्मित मच्छार की बहादुरी को सलाम कर चुके हैं।

दुबई के तेल अवीव जा रही फ्लाइट को क्रैश कराने की कोशिश को मच्छार ने सिर्फ नाकाम ही नहीं किया, बल्कि उन यात्रियों की भी जान बचाई जो इस फ्लाइट में यात्रा कर रहे थे। उनकी इस बहादुरी की तारीफ देश भर के नेताओं, मशहूर हस्तियों और आम लोगों ने की है। शाहरुख खान, सलमान खान से लेकर रणवीर सिंह, विक्की कौशल, रवीना टंडन, सोनम कपूर, कंगना रनौत और अन्य सहित बॉलीवुड की कई हस्तियों ने भी कैप्टन की बहादुरी की तारीफ की है।

शाहरुख खान ने स्मित मच्छार की बहादुरी को सलाम करते हुए एक पोस्ट साझा किया है, जिसमें उन्होंने लिखा- 'कैप्टन स्मित मच्छर, जब सबसे ज़्यादा ज़रूरत थी, तब आप मज़बूती से डटे रहे!! मुश्किल हालात का सामना करना और अपनी सुरक्षा को दांव पर लगाना आसान नहीं होता... लेकिन आपने जहाज पर मौजूद लोगों की सुरक्षा के लिए ठीक यही किया और हमें दिखाया कि एक कैप्टन होने का क्या मतलब होता है। यह हिम्मत और कर्तव्यनिष्ठा की एक सच्ची मिसाल है। आपके जल्द ठीक होने की कामना करते हैं, देश को आप



पर गर्व है।'

सलमान खान बोले- 'कमाल कर दिया पायलट जी'

बॉलीवुड के दबंग स्टार सलमान खान ने भी भारतीय पायलट स्मित मच्छार की वीरता और साहस की जमकर तारीफ की है। उन्होंने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर कैप्टन स्मिट मच्छार को उनकी बहादुरी के लिए सलाम किया और लिखा, 'कमाल कर दिया पायलट जी, हम सब आपको सलाम करते हैं, आपके साथ उड़ान भरने में खुशी होगी.. शाबाश भाई.. कैप्टन #स्मित मच्छार।'

'धुरंधर' स्टार रणवीर सिंह भी खुद को स्मित मच्छार की तारीफ करने से रोक नहीं पाए। उन्होंने इंस्टाग्राम पर कैप्टन स्मित मच्छार की तारीफ करते हुए उनकी एक तस्वीर शेयर की, जिसके साथ बैकग्राउंड में अपनी ब्लॉकबस्टर फिल्म 'धुरंधर 2' का मशहूर गाना 'जान से गुजरते हैं' इस्तेमाल किया। कैप्शन में उन्होंने लिखा, "कैप्टन करेजियस" (साहसी कैप्टन)' इसके साथ उन्होंने सैल्यूट और भारतीय झंडे वाले इमोजी भी लगाए। विक्की कौशल ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में लिखा, "ब्रेवहार्ट! कैप्टन स्मित मच्छर।" सनी देओल ने अपने X पर लिखा, 'कैप्टन स्मित मच्छार, जब सबसे ज्यादा जरूरत थी, तब आपने असाधारण साहस और सूझबूझ दिखाई। आपने एक बड़ी दुर्घटना को टालने और लोगों की जान बचाने में मदद की। आपके जल्द ठीक होने की कामना करता हूं। सलाम।' सुनील शेट्टी ने लिखा, 'बहादुरी अक्सर खामोश होती है, लेकिन कभी भुलाई नहीं जाती। कैप्टन स्मित मच्छर और उन सभी लोगों ने, जिन्होंने मुश्किल समय में हिम्मत दिखाई, अद्भुत संयम, सूझ-बूझ और साहस का परिचय दिया। गहरा सम्मान। सच्चा सलाम।'

जानकारी के लिए बता दें कि 30 सितंबर को दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई की एक छ्राइट FZ1073 के कॉकपिट में स्मित मच्छार के ओमान के को-पायलट हमाम अल-हमामी ने मच्छार पर हमला करके फ्लाइट को हाईजैक करके क्रैश कराने की कोशिश की थी। इस दौरान फ्लाइट में 174 यात्री सवार थे, लेकिन गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद, मच्छार ने को-पायलट का डटकर मुकाबला किया और कॉकपिट का दरवाजा खोलने में कामयाब रहे, जिससे यात्री और क्रू मेंबर बीच-बचाव कर पाए और हमलावर को काबू में कर सके।

तेज प्रताव यादव को इंप्रेस करने में जुटीं सारा, गोद में बैठकर किया डांस



मुंबई (एजेंसी)। 'राइज एंड फॉल' सीजन 2 में हर दिन नए-नए ड्रामे देखने को मिल रहे हैं। पिछले दिनों शो से एक जबरदस्त बवाल के बाद सिवेत तोमर बाहर हो गए थे और बीते एपिसोड में शहजाद पूनावाला का प्रियंका चाहर चौधरी के साथ भी खिटपिट चर्चा में रहा। 'भोजपुरी बवाल' के बाद अब तेज प्रताप यादव ने 'राइज एंड फॉल 2' में नजर आ रहे हैं, जहां उनका मस्तमौला अंदाज चर्चा में बना हुआ है। शो में कई बार वह गुस्से में भी दिखाई दिए, लेकिन अब शो के एक प्रोमो में तेज प्रताप यादव का ऐसा अंदाज देखने को मिला, जिसकी सोशल मीडिया पर खूब चर्चा हो रही है। वायरल हो रहे प्रोमो वीडियो में तेज प्रताप यादव को इंप्रेस करने के लिए दो हसीनाओं को डांस करते देखा जा सकता है।

'राइज एंड फॉल 2' के नए प्रोमो में लिफ्ट मोहतरमा अनाउंसमेंट द्वारा अनाउंसमेंट की जाती है और वर्कर्स से कहा जाता है कि आप ऑडिशन देने आए हैं। आज यहां सीजन का पहला राइज होगा और फैसला तेज प्रताप यादव लेंगे। इसके बाद सारा गुरपाल तेजू भैया को इंप्रेस करने के लिए बॉलीवुड गाने पर डांस करती हैं। यही नहीं, डांस के दौरान वह तेज प्रताप की गोद में भी बैठ जाती हैं। सारा गुरपाल का ये अंदाज देखकर तेज शरमाने लगते हैं और अन्य कंटेस्टेंट हैरान रह जाते हैं।

सारा गुरपाल ने तेज प्रताप यादव को क्यूटी कहते हुए उन्हें कॉम्प्लीमेंट दिया। वहीं दूसरी तरफ सारा का डांस देखकर स्वरा भास्कर हैरान रह जाती हैं और शर्म के मारे अपना मुंह छुपा लेती हैं। वहीं प्रियंका चाहर चौधरी सहित अन्य जोर-जोर से ताली बजाकर हंसने लगते हैं। गौतम गुलाटी एक फिल्मी डायलॉग बोलकर तेज प्रताप यादव को इंप्रेस करने की कोशिश करते हैं और निहारिका भी उनके लिए डांस करती हैं।

राइज एंड फॉल 2 में छाए तेज प्रताप यादव

तेज प्रताप यादव ने जब से 'राइज एंड फॉल 2' में एंट्री ली है, सभी के बीच चर्चा में बने हुए हैं। पहले ही हफ्ते वह अल्टीमेट रूलर बन गए। शो में एंट्री के दौरान उन्होंने अपनी तुलना बरगद के पेड़ से की थी। इस दौरान उन्होंने कहा कि भले ही बरगद के पेड़ की शाखाएं हिलती रहती हैं, लेकिन उसकी जड़ें बहुत मजबूत होती हैं। उन्होंने शो में एंट्री से पहले ही कहा था कि वह पेंटहाउस पर कब्जा ही नहीं करेंगे, बल्कि वहां अपना दरबार लगाएंगे और बेसमेंट वालों पर राज करेंगे और अब शो में यही होता दिख रहा है।

नुसरत भरूचा की रीढ़ की हड्डी में फ्रैक्चर, बाली ट्रिप के दौरान हुआ था हादसा, एयर एंबुलेंस से लाई गईं मुंबई

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड एक्ट्रेस नुसरत भरूचा बाली में एक हादसे का शिकार हो गईं। इस हादसे में उनकी रीढ़ की हड्डी में फ्रैक्चर हो गया है। एक्ट्रेस को पहले बाली के एक अस्पताल में भर्ती किया गया था और कल, शुक्रवार की रात उन्हें एयर एम्बुलेंस से मुंबई लाया गया है।



सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस के कई वीडियो और तस्वीरें सामने आए हैं, जिन्हें देखने के बाद एक्ट्रेस के फैंस चिंता में हैं। इन तस्वीरों और वीडियो में नुसरत भरूचा स्ट्रेचर पर नजर आ रही हैं और उनकी हालत ठीक नहीं लग रही है। जानकारी के लिए बता दें कि नुसरत भरूचा अपनी अपनी एक फिल्म के काम और छुट्टी के सिलसिले में बाली गई थीं, तभी यह हादसा हुआ। एक्सीडेंट के बाद उन्हें एक लोकल हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था और वह मेडिकल निगरानी में थीं।

अब एक्ट्रेस को एयर एंबुलेंस के जरिए बाली से मुंबई लाया गया है, जहां उनका आगे का इलाज और सर्जरी होगी। नुसरत की टीम ने एक बयान जारी करते हुए बताया कि, बाली में डॉक्टरों ने उनकी हालत की जांच की और उन्हें स्पाइन सर्जरी की सलाह दी है। बाली में शुरुआती इलाज के बाद अब नुसरत को मुंबई लाया गया है। शुक्रवार, 2 अक्टूबर को एयर एम्बुलेंस से शहर लाया गया। मुंबई पहुंचने के उनके वीडियो ऑनलाइन सामने आए हैं, जिनमें नुसरत को स्ट्रेचर पर एम्बुलेंस से बाहर निकालते हुए देखा जा सकता है। आगे के इलाज के लिए ले जाते समय उनके परिवार वाले और दोस्त भी उनके साथ दिखे।

भारत की तरफ से ऑस्कर के लिए भेजी गई 'गोंधल' की होगी स्पेशल स्क्रीनिंग

मुंबई (एजेंसी)। मराठी साइकोलॉजिकल थ्रिलर 'गोंधल' पिछले दिनों काफी चर्चा में रही। इस फिल्म को भारत की ओर से ऑस्कर 2027 के लिए भेजा गया है। इस बीच फिल्म की वर्ल्डवाइड रिलीज से पहले मेकर्स ने भारत के चुनिंदा सिनेमाघरों में एक्सक्लूसिव पेड प्रीव्यू दिखाए जाने का ऐलान किया है। यानी अब 'गोंधल' की वर्ल्डवाइड रिलीज से पहले ही दर्शक स्पेशल स्क्रीनिंग के जरिए ये फिल्म देख सकेंगे और मेकर्स ने इसका आधिकारिक ऐलान कर दिया है। मेकर्स द्वारा किए गए ऐलान के अनुसार 6 शहरों में फिल्म की स्क्रीनिंग होगी और 6 भाषाओं में दर्शक ये फिल्म देख सकेंगे।



मेकर्स द्वारा किए गए ऐलान के अनुसार, 'गोंधल' की स्पेशल पेड प्रीव्यू स्क्रीनिंग 10 अक्टूबर से भारत के चुनिंदा शहरों के चुनिंदा सिनेमाघरों में होगी। 'गोंधल' को दावखर फिल्म्स के बैनर तले दीक्षा दावखर ने प्रोड्यूस किया है। दवाखर फिल्म्स ने इंस्टाग्राम पर आधिकारिक ऐलान करते हुए उन स्पेशल स्क्रीनिंग के बारे में बताया जो 10 अक्टूबर को चुनिंदा शहरों और थिएटरों में होंगी।

मेकर्स द्वारा जारी पोस्ट में लिखा था, '99वें एकेडमी अवॉर्ड्स के लिए भारत की ऑफिशियल एंट्री 'गोंधल', अपनी वर्ल्डवाइड रिलीज़ से पहले, सिनेमा के शौकीनों के लिए 10 अक्टूबर से चुनिंदा शहरों और थिएटरों में खास पेड प्रीव्यू के साथ आ रही है। यह एक मराठी साइकोलॉजिकल थ्रिलर है जो संस्कृति से जुड़ी है और इंसानी दिमाग की उलझनों पर आधारित है।' बता दें, संतोष दावखर के निर्देशन में बनी इस फिल्म की स्पेशल स्क्रीनिंग दिल्ली, मुंबई, पुणे, हैदराबाद, चेन्नई और बेंगलुरु में हिंदी, मराठी, तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ भाषाओं में होगी।

सेहत

बदलते मौसम में बुखार और शरीर दर्द? न करें नजरअंदाज

बदलते मौसम में सर्दी-जुकाम बुखार और शरीर दर्द होना आम बात है। लेकिन हर बार इसे मौसम का असर समझकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। खासकर तब जब बुखार अचानक तेज हो, शरीर में तेज दर्द, सिरदर्द, आंखों के पीछे दर्द, बहुत ज्यादा कमजोरी या भूख कम लगने जैसी समस्या हो। इस तरह के लक्षण डेंगू की तरफ भी इशारा करते हैं। हालांकि, ये लक्षण दूसरी वायरल बीमारियों में भी हो सकते हैं, इसलिए केवल लक्षणों के आधार पर डेंगू की पुष्टि नहीं की जा सकती। ऐसे में डॉ. हतिंदर जीत सिंह सेठी, डायरेक्टर, इंटरनल मेडिसिन विभाग,फोर्टिस हॉस्पिटल, मानेसर, गुड़गांव बता रहे हैं कि



कब डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

कब करें डॉक्टर से संपर्क

अगर बुखार दो-तीन दिनों से ज्यादा हो तो या लक्षण बढ़ रहे हैं, तो डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए। डॉक्टर जरूरत के मुताबिक ब्लड टेस्ट की सलाह दे सकते हैं। डेंगू की पुष्टि के लिए बीमारी के शुरुआती दिनों में NS1 एंटीजन टेस्ट और बाद में एंटीबॉडी टेस्ट किए जा सकते हैं। प्लेटलेट्स की संख्या और शरीर में पानी की कमी की भी निगरानी की जाती है। डेंगू के दौरान पर्याप्त आराम और पानी पीना बहुत जरूरी है। पानी के साथ नारियल पानी, ORS और दूसरे तरल पदार्थ लिए जा सकते हैं ताकि शरीर में पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी न हो। वहीं बुखार के लिए डॉक्टर की सलाह से पैरासिटामोल लिया जा सकता है। बिना डॉक्टर की सलाह के एस्पिरिन, आइबुप्रोफेन या दूसरी पेनकिलर्स नहीं लेनी चाहिए, क्योंकि डेंगू में ब्लीडिंग का खतरा बढ़ सकता है।

अगर नाक या मसूड़ों से खून आए, लगातार उल्टी, पेट में तेज दर्द, सांस लेने में परेशानी, बहुत ज्यादा कमजोरी, बेचैनी, नींद या चक्कर आने जैसे लक्षण दिखाई दें, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। डेंगू में बुखार कम होने के बाद भी सावधानी जरूरी है, क्योंकि इस समय कुछ मरीजों में कॉमप्लिकेशन हो सकते हैं। इसलिए बदलते मौसम में तेज बुखार और शरीर दर्द को नजरअंदाज करने के बजाय समय पर डॉक्टर से संपर्क करना और जरूरत पड़ने पर जांच करवाना बेहतर है। **(एजेंसी)**

सर्दियों में अंजीर खाने के फायदे

अंजीर का स्वाद अनोखा और मीठा दोनों होता है. इसमें पाए जाने वाले मलाईदार गुदूदे चबाने में काफी अच्छा होता है. जिसे आप ताजा या सूखा कैसे भी खा सकते हैं. अंजीर में बहुत ज्यादा पौष्टिक गुण होते हैं. साथ ही साथ इसमें विटामिन ए, सी, ई, के, बी 6, आयरन, पोटेशियम, मैग्नीशियम और मैंगनीज जैसे जरूरी पोषक तत्व होते हैं. इसमें भरपूर मात्रा में फाइबर और चीनी होता है जो आपके वजन को कंट्रोल में रखता है.

अंजीर की फाइबर से भरपूर प्रकृति तृप्ति में योगदान करती है, जिससे व्यक्तियों को लंबे समय तक पेट भरा हुआ महसूस होता है. यह विशेषता अंजीर को उन लोगों के लिए एक उत्कृष्ट स्नैक विकल्प बनाती है जो अपना वजन नियंत्रित करना चाहते हैं.इन्हें संतुलित आहार में शामिल करने से आवश्यक पोषक तत्व प्रदान करते हुए वजन प्रबंधन लक्ष्यों का समर्थन किया जा सकता है.

अंजीर में मौजूद पोटेशियम सामग्री रक्तचाप के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करके हृदय स्वास्थ्य में योगदान करती है। इसके अलावा, अंजीर में मौजूद फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने में भूमिका निभाते हैं, जिससे हृदय रोगों का खतरा कम हो जाता है. हृदय-स्वस्थ आहार में इन्हें शामिल करना हृदय संबंधी स्वास्थ्य के लिए एक सरल लेकिन प्रभावी उपाय हो सकता है.

आंख की रोशनी को बढ़ाता है

अंजीर में बीटा-कैरोटीन जैसे यौगिक होते हैं, जो शरीर में विटामिन ए में परिवर्तित हो जाते हैं. विटामिन ए आंखों के इष्टतम स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए आवश्यक है और उम्र से संबंधित धब्बेदार अधः पतन को रोकने में मदद कर सकता है. अपने आहार में अंजीर को शामिल करने से स्वस्थ दृष्टि का समर्थन और संरक्षण करने में योगदान मिल सकता है.

अंजीर में पोषक तत्व होते हैं

अंजीर में कैल्शियम, फास्फोरस और मैग्नीशियम जैसे आवश्यक खनिज होते हैं, जो हड्डियों को मजबूत और स्वस्थ बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण हैं. अंजीर का नियमित सेवन हड्डियों के घनत्व में योगदान कर सकता है और ऑस्टियोपोरोसिस जैसी स्थितियों को रोकने में मदद कर सकता है। **(एजेंसी)**

क्या है इसबगोल इस्तेमाल करने का सही तरीका?

इसबगोल प्लांटेगो ओवाटा के बीजों से बनता है। यह घुलनशील फाइबर से भरपूर होता है जो पेट के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। खासतौर पर जो लोग कब्ज से पीड़ित होते हैं उनके लिए यह अमृत समान है। लेकिन क्या आप इसबगोल के सेवन का सही तरीका जानते हैं? न्यूट्रिशनिस्ट और वेट लॉस कोच लीमा महाजन ने अपने यू ट्यूब पर पर वीडियो शेयर कर बताया है कि इसबगोल का सेवन कब-कैसे और कितनी मात्रा में करनी चाहिए साथ ही इसे खाने से और कौन से फायदे हो सकते हैं?

इसबगोल में मिलने वाले पोषक तत्व

इसबगोल में प्लांट बेस्ड फाइबर से भरपूर होता है जो आपकी पाचन प्रक्रिया को बेहतर करता है। इसकी भूसी में लगभग 70% से अधिक फाइबर होता है, जिसका अधिकांश हिस्सा घुलनशील फाइबर होता है। इसके साथ ही इसमें कैल्शियम, आयरन, और फास्फोरस भी पाए जाते हैं। इसका सेवन कब्ज, ब्लोटिंग और गैस में फायदेमंद माना जाता है। अगर आपने अभी इसबगोल लेना शुरू किया है तो इसकी मात्रा का ख्याल रखना बेहद ज़रूरी है। आप केवल तीन से पांच ग्राम इसबगोल लें और इसके लिए करीब ढाई सौ ग्राम पानी का इस्तेमाल करें। इसका सेवन सुबह खाली पेट या डिनर से करीब आधे घंटे पहले करें। आप इसबगोल को पानी में घोलकर तुंरत पी जाएं। अगर इसे घोलकर ज़्यादा देर तक रखा जाए तो यह गाढ़ा हो सकता है और गाढ़ा इसबगोल कब्ज की समस्या को बढ़ा सकता है। आखिर में इस बात का ख्याल रखें कि इसबगोल लेने के कुछ देर बाद आप एक गिलास पानी ज़रूर पिएं और दिनभर पानी के इनटेक को कम न होने दें। भरपूर पानी पीते रहें।

इस बात का रखें ध्यान

न्यूट्रिशनिस्ट लीमा महाजन कहती हैं कि कब्ज में इसबगोल लेना अच्छी बात है लेकिन आप उसपर पूरी तरह निर्भर न रहें। कब्ज होने पर दस पंद्रह दिन से ज़्यादा इसबगोल लेना सही नहीं है। इसकी जगह अपनी डाइट अच्छी करें और अपनी डाइट में घुलनशील फाइबर की मात्रा को बढ़ाएं। **(एजेंसी)**

फूड पॉइजनिंग में होने वाले पेट दर्द से कैसे छुटकारा पाएं? डॉक्टर से जानें आसान तरीका

खराब या बासी खाना खाने से अक्सर फूड पॉइजनिंग की समस्या हो जाती है। इस वक्त कई लोग फूड पॉइजनिंग की चपेट में आ रहे हैं। इसमें पेट में तेज मरोड़, ऐंठन, उल्टी, दस्त और कमजोरी महसूस होने लगती है। जब पेट में विषाक्त पदार्थ प्रवेश करते हैं, तो पाचन तंत्र उन्हें बाहर निकालने की कोशिश करता है, जिससे पेट दर्द शुरू होता है।

ऐसे में सही पर इसका इलाज कराना बेहद जरूरी है। डॉ. निर्देश चौहान, सलाहकार, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, फोर्टिस, फ़रीदाबाद बता रहे हैं कि फूड पॉइजनिंग में होने वाले पेट दर्द से कैसे छुटकारा पाया जा सकता है।

1. इलेक्ट्रोलाइट बैलेंस और हाइड्रेशन

उल्टी या दस्त से होने वाला डिहाइड्रेशन पेट की ऐंठन को और गंभीर बना देता है। ऐसे में इससे बचने के लिए ORS घोल पीते रहें। केवल सादा पानी पीने के बजाय डब्ल्यूएचओ-प्रमाणित ORS या नारियल पानी घूंट-घूंट कर पिएं। तरल पदार्थों को एक साथ अधिक मात्रा में न पिएं। हर 10-15 मिनट में



थोड़ा-थोड़ा घूंट लें ताकि उल्टी की संभावना न रहे।

2. डाइट मॉडिफिकेशन

फूड पॉइजनिंग में हल्का खाना खाएं। मूंग दाल की पतली खिचड़ी, केला, उबले चावल, दलिया या टोस्ट लें। दूध और डेयरी प्रोडक्ट, कैफीनयुक्त पेय, तला-भुना, तीखे मसाले और अत्यधिक मीठे जूस से बचें। ये आंतों में फर्मेंटेशन और क्रैम्प्स को बढ़ाते हैं।

3. सिकाई से मांसपेशियों को राहत

पेट पर हॉट वाटर बैग या हीटिंग पैड से 15-20 मिनट हल्की सिकाई करें।

तापमान आंतों की स्मूथ मांसपेशियों को रिलैक्स करता है, जिससे मरोड़ में फौरन आराम मिलता है।

4. दवाओं को लेकर जरूरी सावधानी

बिना डॉक्टर की सलाह के लोपेरामाइड जैसी दवाएं न लें। ये आंतों की गतिशीलता को रोक देती हैं, जिससे टॉक्सिन्स और बैक्टीरिया बाहर नहीं निकल पाते और संक्रमण बढ़ सकता है। ज्यादा दर्द या मरोड़ होने पर डॉक्टर के से कंसल्ट करें और फिर एंटीस्पास्मोडिक दवा का इस्तेमाल करें।

कब रहता है खतरा

यदि पेट में बहुत तेज दर्द हो, लगातार तेज बुखार (102°F से अधिक) आए, मल में खून या म्यूकस दिखे, या पेशाब बंद होने लगे, तो घरेलू उपचार छोड़कर तुरंत गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट या नजदीकी डॉक्टर से संपर्क करें। **(एजेंसी)**

संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक दैनन्दिनी

रविवार 04 अक्टूबर 2026 ■ रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित

राज्य स्तरीय रोजगार मेला 7 एवं 8 अक्टूबर को

मोहला। संचालनालय, रोजगार एवं प्रशिक्षण, अटल नगर, नवा रायपुर द्वारा छत्तीसगढ़ के रोजगार इच्छुक बेरोजगार युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राज्य स्तरीय रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। रोजगार मेला 7 एवं 8 अक्टूबर 2026 को सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम, बूढ़ापारा, रायपुर में आयोजित होगा। मेले में निजी क्षेत्र के तकनीकी एवं गैर-तकनीकी पदों पर भर्ती के लिए अभ्यर्थियों का साक्षात्कार लिया जाएगा। विभिन्न नियोजकों द्वारा कुल 8,720 पदों पर चयन की प्रक्रिया की जाएगी। रोजगार मेले का उद्देश्य नियोजकों और रोजगार इच्छुक आवेदकों को एक ही मंच पर उपलब्ध कराना तथा मेला स्थल पर ही साक्षात्कार के माध्यम से चयन की प्रक्रिया को सुगम बनाना है। अभ्यर्थियों को मेले में अपने साथ समस्त शैक्षणिक योग्यताओं के मूल प्रमाण-पत्र, आधार कार्ड तथा रोजगार पंजीयन कार्ड की छायाप्रति लाना अनिवार्य है। रोजगार मेले में शामिल होने के इच्छुक अभ्यर्थियों को ई-रोजगार पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन करना अनिवार्य है।

युवा रत्न सम्मान हेतु आवेदन 30 तक

गरियाबंद। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा प्रदेश के युवाओं एवं स्वैच्छिक संगठनों द्वारा सामाजिक-सांस्कृतिक, साहित्यिक, शैक्षणिक, खेल तथा अन्य विविध क्षेत्रों में किए गए उत्कृष्ट कार्यों को प्रोत्साहित करने एवं उन्हें राज्य स्तर पर मान्यता प्रदान करने के उद्देश्य से युवा रत्न सम्मान योजना संचालित किया जा रहा है। युवा रत्न सम्मान हेतु आवेदन 30 अक्टूबर 2026 तक आमंत्रित है। खेल विभाग से प्राप्त जानकारी अनुसार इस योजना में विभिन्न क्षेत्र जैसे- असाधारण एवं विशिष्ट सेवा कार्य 01 युवा तथा 01 स्वैच्छिक संगठन को (पुरस्कार राशि 2 लाख 50 हजार रूपये एवं 05 लाख रूपये), युवा रत्न सम्मान सामाजिक, साहित्य, उद्योग, शिक्षा, खेल, पर्यावरण, महिला एवं बाल विकास, मीडिया, स्वास्थ्य, विज्ञान एवं प्रोद्यौगिकी, दिव्यांजन सशक्तिकरण, कला एवं संगीत, लोककला में सम्मान किया जायेगा।

आरसेटी प्रशिक्षण से आत्मनिर्भर बनी दीपिका

महासमुंद। जिले के विकासखंड बागबाहरा अंतर्गत ग्राम बोदरीदादर निवासी श्रीमती दीपिका चन्द्राकर ने ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान से सिलाई एवं ब्यूटी पार्लर का प्रशिक्षण प्राप्त कर स्वरोजगार की दिशा में कदम बढ़ाया। प्रशिक्षण के बाद उन्होंने अपने कौशल और स्थानीय बाजार की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए ग्राम में दुकान खोलने के बजाय पास के नगर पंचायत बागबाहरा में अपनी दुकान शुरू करने का निर्णय लिया। आज उनकी सोच उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के साथ परिवार की आय में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। दीपिका बताती हैं कि आरसेटी से प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद उनके मन में स्वयं का व्यवसाय शुरू करने का विचार आया। उन्होंने महसूस किया कि गांव में दुकान संचालित करने की अपेक्षा बागबाहरा नगर में दुकान शुरू करने से अधिक ग्राहकों तक पहुंच बनाई जा सकती है।

बस्तर में दिव्यांगजनों के पुनर्वास के लिए महाअभियान

नक्सल हिंसा में आईईडी विस्फोटों से प्रभावित नागरिकों के पुनर्वास के लिए किए जाएंगे हरसंभव कार्य

रायपुर ■ दैनन्दिनी





बस्तर संभाग के दिव्यांगजनों को उनकी जरूरत के अनुरूप सहायता प्रदान करने सहित उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने और उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के उद्देश्य से जगदलपुर और दंतेवाड़ा में वृहद दिव्यांग शिविरों का आयोजन होने जा रहा है।

उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से तैयारियों की समीक्षा की और अधिकारियों को शिविरों की सभी व्यवस्थाएं समयबद्ध और प्रभावी ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि नक्सलवाद और विशेष रूप से आईईडी विस्फोटों की वजह से अपने अंग गंवा चुके नागरिकों के पुनर्वास के लिए यह अभियान एक मिशन के रूप में संचालित किया जा रहा है। सरकार का मुख्य संकल्प इन शिविरों के माध्यम से आईईडी पीड़ितों को हरसंभव सहायता, कृत्रिम अंग और सहायक उपकरण उपलब्ध कराकर उनके जीवन से हिंसा के दर्द और निशानों को हमेशा के लिए मिटाना है।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जिला प्रशासन का प्रयास होना चाहिए कि क्षेत्र का कोई भी पात्र हितग्राही लाभ से वंचित न रहे। इसके लिए ग्राम पंचायतों और ग्राम सभाओं के माध्यम से हितग्राहियों की अंतिम सूची तैयार की जाए, जिसमें आईईडी विस्फोट से प्रभावित दिव्यांगजनों का अलग से विवरण शामिल हो। उन्होंने शिविर स्थलों पर कृत्रिम अंग (आर्टिफिशियल लिंब), ट्राईसाइकिल, व्हीलचेयर, कैलिपर्स और श्रवण यंत्र जैसी आवश्यक सामग्रियों की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। इसके साथ ही यह भी निर्देश दिया कि यदि किसी हितग्राही के पास दिव्यांगता प्रमाण पत्र नहीं है, तो स्वास्थ्य और समाज कल्याण विभाग द्वारा मौके पर ही प्रमाणीकरण की सुविधा दी जाए, जिससे उपकरण वितरण में किसी भी प्रकार की बाधा न आए।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने बताया कि जगदलपुर और दंतेवाड़ा में आयोजित होने वाले इन कार्यक्रमों को "सेवा संकल्प अभियान" के अंतर्गत भव्य रूप से संचालित किया जाएगा। उन्होंने सभी संबंधित जिला कलेक्टरों और मुख्य कार्यपालन अधिकारियों (सीईओ) को निर्देश दिया कि प्रेस वार्ता, सोशल मीडिया और स्थानीय इन्फ्लुएंसर्स के माध्यम से इस सकारात्मक पहल का सघन प्रचार-प्रसार करें, जिससे दूर-दराज के जरूरतमंदों तक इसकी सूचना पहुंच सके। शिविरों में पहुंचने वाले दिव्यांगजनों की सहायता के लिए स्काउट-गाइड के स्वयंसेवकों को तैनात करने के साथ-साथ उनके लिए सुगम परिवहन, भोजन और पेयजल के पुख्ता इंतजाम करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा, उप मुख्यमंत्री ने भविष्य की कार्ययोजना पर बल देते हुए कहा कि ग्राम सभाओं के माध्यम से गांवों में सुरक्षा का पूर्ण सत्यापन कर उन्हें "आईईडी-मुक्त ग्राम" घोषित करने की दिशा में भी तेजी से आगे बढ़ा जाए।

बस्तर संभाग के दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के उद्देश्य से जगदलपुर तथा दंतेवाड़ा में वृहद दिव्यांग शिविरों का आयोजन होने जा रहा है। कमिश्नर श्री डोमन सिंह ने एक उच्चस्तरीय वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान उप मुख्यमंत्री के समक्ष इन शिविरों की विस्तृत प्रशासनिक कार्ययोजना प्रस्तुत की। इस बैठक में पुलिस महानिरीक्षक (आईजी), संभाग के समस्त कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी और स्वास्थ्य एवं नगरीय निकाय के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

कमिश्नर ने जानकारी देते हुए बताया कि पहला तीन दिवसीय शिविर 5 से 7 अक्टूबर तक जगदलपुर के क्रीड़ा परिसर में आयोजित किया जाएगा, जिसमें 5 अक्टूबर को बस्तर, 6 अक्टूबर को नारायणपुर व कोंडागांव तथा 7 अक्टूबर को कांकेर जिले के चयनित हितग्राही शामिल होंगे। जगदलपुर शिविर के लिए कुल 2,953 हितग्राहियों को चिह्नित किया गया है। इसके पश्चात, 15 से 17 अक्टूबर तक दंतेवाड़ा के पुलिस लाइन परिसर में शिविर आयोजित होगा, जहां दंतेवाड़ा, सुकमा और बीजापुर जिलों के 846 हितग्राहियों को कृत्रिम अंग, कैलिपर्स व सहायक उपकरण वितरित किए जाएंगे। यह कार्यक्रम प्रतिदिन प्रातः 8 बजे से प्रारंभ होगा।

इस शिविर की तैयारी पर प्रकाश डालते हुए कमिश्नर ने स्पष्ट किया कि शिविर स्थल पर आने वाले प्रत्येक दिव्यांगजन के लिए संबंधित जिला प्रशासन द्वारा निःशुल्क परिवहन एवं भोजन की पुख्ता व्यवस्था की जाएगी। हितग्राहियों को अपनी पहचान सुनिश्चित करने हेतु पहचान प्रमाण पत्र (जैसे आधार कार्ड की प्रति) और दो पासपोर्ट आकार के फोटो साथ लाने के निर्देश दिए गए हैं। शिविर में जयपुर से आ रही विशेषज्ञ तकनीकी टीम नए उपकरणों के वितरण के साथ-साथ पुराने कृत्रिम अंगों की मरम्मत का कार्य भी करेगी। इसके अतिरिक्त, शिविर स्थल पर छाया, शुद्ध पेयजल, शौचालय, निर्बाध बिजली आपूर्ति, प्राथमिक स्वास्थ्य परीक्षण (जैसे बीपी व शुगर जांच) और सुरक्षा के समुचित प्रबंध किए गए हैं। सभी व्यवस्थाओं के सुचारू संचालन और निगरानी के लिए जिला पंचायत सीईओ एवं वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों को नोडल जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस अवसर पर कलेक्टर श्री आकाश छिकारा ने धरमपुरा में आयोजित किए जाने वाले शिविर के आयोजन के बारे में जानकारी दी, जिसमें बस्तर, कोण्डागांव, नारायणपुर और कांकेर जिले के लाभार्थी शामिल होंगे।

इस अवसर पर कलेक्टोरेट स्थित एनआईसी के वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष में पुलिस अधीक्षक श्री शलभ सिन्हा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री तन्मय खन्ना सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

विशेष ग्राम सभा में विकास योजनाओं की समीक्षा स्वच्छता और पीएम सूर्य घर योजना पर जोर

सूरजपुर (दैनंदिनी ब्यूरो)। गांधी जयंती के अवसर पर 02 अक्टूबर को जिले की सभी ग्राम पंचायतों में विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया गया। ग्राम सभाओं में निर्धारित एजेंडा एवं निर्देशों के अनुरूप कार्यवाही करते हुए शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यों तथा पंचायत स्तर के महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। ग्रामीणों को योजनाओं की जानकारी देकर पात्रतानुसार लाभ लेने और ग्राम विकास में सक्रिय सहभागिता के लिए प्रेरित किया गया।

ग्राम सभाओं में हल्का पटवारियों द्वारा एग्रीस्टैक एवं बकेट क्लेम पंजीयन का वाचन किया गया। इस दौरान उपस्थित ग्रामीणों को पंजीयन संबंधी जानकारी से अवगत कराया गया। ग्राम पंचायत खरसुरा में आयोजित ग्राम सभा में रायपुर से आए उपायुक्त नितेश उपाध्याय सम्मिलित हुए। उन्होंने ग्रामीणों को वीजीपीपी के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। ग्राम सभा में पंचायत स्तर पर विकास से जुड़े विषयों पर भी चर्चा की गई। जनपद पंचायत रामानुजनगर अंतर्गत विभिन्न ग्राम पंचायतों में भी ग्राम सभाएं आयोजित की गईं। जनपद पंचायत सीईओ आर.एस. सेंगर ने ग्राम पंचायत सरई पारा एवं पस्ता की ग्राम सभाओं में उपस्थित होकर ग्रामीणों से संवाद किया। उन्होंने विशेष रूप से साफ-सफाई बनाए रखने, आवास निर्माण तथा प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत सौर संयंत्र स्थापित करने के लिए ग्रामीणों को प्रेरित किया।

गौरतलब है कि जिले में आयोजित सभी विशेष ग्राम सभा में शासन की योजनाओं एवं पंचायत के विकास कार्यों पर चर्चा के साथ ग्रामीणों की भागीदारी को प्रोत्साहित किया गया।

खाना बनाने को लेकर हुए विवाद में महिला की हत्या

लकड़ी के गेंड़ा से हमला करने के बाद ईंट से सिर और चेहरे पर वार



गरियाबंद (दैनंदिनी ब्यूरो)। जिले में खाना बनाने को लेकर हुए विवाद में एक महिला की हत्या का मामला सामने आया है। आरोप है कि विवाद के दौरान पति ने लकड़ी के गेंड़ा से हमला करने के बाद ईंट से सिर और चेहरे पर वार कर दिया। गंभीर चोटों के कारण महिला की मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी पति के खिलाफ धारा 103(1) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर उसे हिरासत में लिया है। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के अनुसार ग्राम आमझर निवासी कुमारी बाई कमार (35 वर्ष) शुक्रवार को घर के सामने सड़क पर गंभीर हालत में मिली थी। उसके सिर और चेहरे पर चोट के निशान थे। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और महिला को उपचार के लिए अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों के बयान दर्ज कर जांच शुरू की। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि शुक्रवार सुबह करीब 10 से 11 बजे के बीच खाना बनाने को लेकर कुमारी बाई कमार और उसके पति विश्राम कमार के बीच विवाद हुआ था। आरोप है कि विवाद के दौरान विश्राम कमार ने लकड़ी के गेंड़ा से कुमारी बाई पर हमला किया और इसके बाद ईंट से उसके सिर व चेहरे पर वार किए। गंभीर चोटों के चलते महिला की मौत हो गई।

मृतका के भाई कृष्णा कुमार सोरी की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी पति विश्राम कमार के खिलाफ धारा 103(1) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज किया है। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार मामले की जांच जारी है। घटना के सभी पहलुओं की जांच और पूछताछ के बाद ही मामले की स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो सकेगी।

बलौदाबाजार में 26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का रंगारंग आगाज

रायपुर ■ दैनन्दिनी



बलौदाबाजार के पंडित चक्रपाणि शुक्ल हाई स्कूल मैदान में शनिवार को चार दिवसीय 26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ हुआ। मुख्य अतिथि राजस्व मंत्री श्री टंक राम वर्मा द्वारा ध्वजारोहण करने और रायपुर सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल द्वारा प्रतियोगिता के औपचारिक उद्घाटन की घोषणा के साथ ही खेल महाकुंभ का आगाज हो गया। उद्घाटन समारोह की शुरुआत में रायपुर, दुर्ग, बस्तर, बिलासपुर और सरगुजा संभाग से आए 480 खिलाड़ियों की टुकड़ियों ने अनुशासित मार्चपास्ट से मुख्य अतिथि को सलामी दी, जिसके बाद स्कूली छात्राओं की रंगारंग और मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने पूरे वातावरण को उत्साह से भर दिया।

3 से 6 अक्टूबर तक आयोजित इस चार दिवसीय आयोजन में प्रदेश भर से आए खिलाड़ी कुराश, रग्बी और नेटबॉल खेलों में अपना दमखम दिखाएंगे। कुराश प्रतियोगिता नगर भवन में 14, 17 और 19 वर्ष आयु वर्ग के बालक-बालिका समूहों के लिए आयोजित होगी, जबकि 14 वर्ष आयु वर्ग का रग्बी मुकाबला सेजेस हिंदी माध्यम स्कूल में और 19 वर्ष आयु वर्ग की नेटबॉल स्पर्धा जिला स्टेडियम के लॉन टेनिस मैदान में संपन्न कराई जाएगी। इस राज्य स्तरीय आयोजन में पांचों संभागों के 240 बालक और 240 बालिका खिलाड़ियों के साथ-साथ 100 ऑफिशियल्स सहित कुल 580 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं।

उद्घाटन समारोह में खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए राजस्व मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने कहा कि खेल में हार और जीत एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। जीत जहाँ खिलाड़ी को आगे बढ़ने की राह दिखाती है, वहीं हार अपनी कमियों को पहचानकर उन्हें दूर करने का अवसर देती है। आज के दौर में खेल के प्रति नजरिया पूरी तरह बदल चुका है, जहाँ खिलाड़ी या तो जीतते हैं या नया अनुभव सीखते हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से तनावमुक्त और अनुशासित होकर खेल भावना के साथ मैदान में उतरने का आह्वान किया।

इसी क्रम में रायपुर सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने बच्चों को मैदान से जोड़ने की आवश्यकता पर बल देते हुए बताया कि सरकार खेल सुविधाओं के विस्तार के लिए निरंतर प्रयास कर रही है, जिसके तहत गांवों में श्व्हीबी-जी राम जीश् योजना के जरिए खेल मैदानों का समतलीकरण कराया जाएगा। समारोह के दौरान कुराश के राष्ट्रीय खिलाड़ी ने उपस्थित सभी प्रतिभागियों को खेल के नियमों का निष्ठापूर्वक पालन करने, अनुशासन बनाए रखने और खेल भावना की उच्च परंपराओं को कायम रखने की शपथ दिलाई। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद श्रीमती लक्ष्मी वर्मा, कलेक्टर, जिला पंचायत अध्यक्ष, नगरपालिका अध्यक्ष, एसपी, जिला पंचायत सीईओ सहित अनेक गणमान्य जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी और बड़ी संख्या में खेल प्रेमी मौजूद रहे।

साइबर अपराधों से मुकाबले में युवा बनें 'साइबर एम्बेसडर' : ओ.पी. चौधरी

रायपुर ■ दैनन्दिनी



साइबर अपराधों के प्रति आमजन, विशेषकर युवाओं को जागरूक करने के लिए रायगढ़ पुलिस द्वारा आयोजित लघु फिल्म प्रतियोगिता का समापन एवं सम्मान समारोह रायगढ़ के पूज्य संत बाबा प्रियदर्शी रामजी ऑडिटोरियम में आयोजित हुआ। वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक श्री ओ.पी. चौधरी कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित किया गया तथा रायगढ़ पुलिस द्वारा तैयार साइबर अवेयरनेस शॉर्ट फिल्म 'The Cyber Trap' की स्क्रीनिंग की गई।

वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि डिजिटल तकनीक के तेजी से बढ़ते उपयोग के साथ साइबर अपराधों की चुनौती भी बढ़ी है। इससे बचाव के लिए जागरूकता और सतर्कता सबसे प्रभावी माध्यम हैं। उन्होंने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि वे स्वयं साइबर जागरूक बनें और 'साइबर एम्बेसडर' की भूमिका निभाते हुए अपने परिवार, मित्रों तथा समाज के अन्य लोगों को भी साइबर अपराधों से बचाव के प्रति जागरूक करें।

श्री चौधरी ने कहा कि प्रदेश में संचालित 'सेवा संकल्प अभियान' की चिन्हित सेवा गतिविधियों में साइबर जागरूकता को भी महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है। रायगढ़ पुलिस ने सिनेमा और रचनात्मकता को साइबर सुरक्षा से जोड़कर युवाओं तक प्रभावी संदेश पहुंचाने की अभिनव पहल की है।

कार्यक्रम में दुर्ग लोकसभा सांसद श्री विजय बघेल ने साइबर जागृति अभियान और तकनीक आधारित जनजागरूकता पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि डिजिटल दौर में साइबर सुरक्षा केवल पुलिस की नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और आधुनिक तकनीक का उपयोग जनहित, जागरूकता और सुरक्षा के लिए किया जाना समाज को अधिक सुरक्षित बनाने में प्रभावी साबित हो सकता है।

सात सप्ताह में करीब 2 लाख लोगों तक पहुंचा अभियान

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री शशि मोहन सिंह ने बताया कि छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा 15 अगस्त से 2 अक्टूबर 2026 तक प्रदेशव्यापी 'साइबर जागृति अभियान' संचालित किया गया। सात सप्ताह के दौरान रायगढ़ जिले में विभिन्न गतिविधियों और माध्यमों से करीब 2 लाख लोगों को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया।

:- संपादकीय :-

सुरक्षाबलों में असुरक्षा

जम्मू-कश्मीर स्थित कठुआ में सेंट्रल इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी फोर्स की ड्यूटी पर तैनात एक हिंसक साथी द्वारा चार जवानों की हत्या करने की घटना ने सुरक्षा बलों के भीतर छिपे खतरों की डरावनी तस्वीर उकेरी है। बताया जाता है कि सीआईएसएफ के एक हेड कॉन्स्टेबल ने अपनी सर्विस ए.के-47 से गोलीबारी करके इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना को अंजाम दिया। बताते हैं कि इस वाकये में कार्यस्थल पर अपने छोटे बच्चे को लेकर आने से शुरू हुई बहस कालांतर हिंसक टकराव में बदल गयी। विगत में भी मानसिक द्वंद्व से गुजर रहे सुरक्षा बलों के जवानों के हिंसक प्रतिरोध के मामले सामने आए हैं। ये घटना बताती है कि सुरक्षा कर्मियों से जुड़ी समस्याओं के निपटारे के लिये मजबूत सिस्टम बनाने की सख्त जरूरत है। निस्संदेह, यह घटना केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल में काम करने की स्थितियों पर भी प्रश्न उठाती है। दरअसल, दूर-दराज के इलाकों में तैनात जवानों को लंबी और अनियमित ड्यूटी, परिवार से जुड़ी मुश्किलों तथा घर से लंबे समय तक दूर रहने जैसी तमाम चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में किसी तनाव से गुजर रहे सुरक्षाकर्मी के व्यवहार व मानसिक स्थिति पर संवेदनशील ढंग से नजर रखने की जरूरत होती है। यह संकट इसलिए भी बड़ा है क्योंकि सुरक्षा कर्मियों का अनिवार्य रूप से हथियार रखना ड्यूटी का हिस्सा है। जिसके चलते मामूली विवाद के घातक रूप लेने की आशंका लगातार बनी रहती है। इसका अभिप्राय यह कदापि नहीं है कि हर छोटा-मोटा विवाद हिंसक रूप में बदल ही सकता है। लेकिन ऐसे संकेतों पर समय रहते ध्यान देने की जरूरत होती है ताकि किसी दुखद घटना को टाला जा सके। निस्संदेह, केंद्रीय सशस्त्र सुरक्षा बलों में ऐसे दुखद हादसों को टालने हेतु, जवानों की शिकायतों के समाधान के लिये प्रभावी तंत्र और असरदार निगरानी की जरूरत है। वहीं दूसरी ओर सुरक्षा बलों में हथियारों को लेकर सुरक्षा उपाय और आसानी से उपलब्ध मनोवैज्ञानिक मदद, बचाव की रणनीति का हिस्सा हो सकती है।निस्संदेह, किसी भी सुरक्षाबल में जवानों का अनुशासित होना, अपरिहार्य शर्त है। वहीं सुरक्षा की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों में ऑपरेशन के लिये जवानों का हरदम शस्त्रों से लैस होना भी लाजिमी है। ऐसे में निगरानी व किसी भी टकराव को टालने के लिये उपायों को लेकर गंभीर पहल होनी चाहिए।

मतदाता उपनिवेशवाद से जूझता चुनाव आयोग

ललित गर्ग ।

विपक्षी दल और नेता बिना विषय की गंभीरता को समझे प्रतिवाद करेंगे तो जनता ज्यादा भ्रमित हो सकती है। भ्रामक दुष्प्रचार रोकने के लिए चुनाव आयोग के तीनों आयुक्तों में तुरंत बैठक करके एक संयुक्त प्रैस विज्ञप्ति को जारी किया। लेकिन इस प्रकार से संवैधानिक संस्थाओं पर हमला करके, आम जनता में उनकी विश्वसनीयता पर अपुष्ट प्रश्न उठाकर किसे लाभ पहुंचाने का प्रयास किया जाता है? इससे पहले भी सुकुमार सेन और नेहरू में मतभेद रहे हैं। टी.एन. शेषन, जे.एम. लिंगदोह जैसे चुनाव आयुक्तों के तत्कालीन सरकारों से मतभेद रहे हैं। विपक्ष को सरकार की आलोचना करने का अधिकार और कत्र्तव्य भी है। किंतु चुनाव आयोग जैसे महत्वपूर्ण संवैधानिक संस्थान पर सड़क छाप हमले ठीक नहीं हैं। चुनाव हारने पर आत्मचिंतन करने की बजाय, आयोग की आलोचना से क्या हासिल होगा? इसे ही नाच न जाने आंगन टेढ़ा की कहावत से चरितार्थ किया जा रहा है। (रवि रमेशचंद्र जे.एन.यू. के अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान में एसोसिएट प्रोफैसर हैं और यदुनाथ देशपांडे मुंबई विश्वविद्यालय में पी.एच.डी. शोधार्थी हैं।



मतदाता लोकतंत्र की आत्मा है। एक स्वस्थ लोकतंत्र के लिए उसकी आत्मा की शुचिता, पारदर्शिता और शुद्धता आवश्यक है। एक दूषित मन, सारे शरीर और वातावरण को दूषित कर देता है। आज दुनिया में एक नए किस्म का मतदाता उपनिवेशवाद देखने को मिल रहा है। ये किसी देश में...मतदाता लोकतंत्र की आत्मा है। एक स्वस्थ लोकतंत्र के लिए उसकी आत्मा की शुचिता, पारदर्शिता और शुद्धता आवश्यक है। एक दूषित मन, सारे शरीर और वातावरण को दूषित कर देता है। आज दुनिया में एक नए किस्म का मतदाता उपनिवेशवाद देखने को मिल रहा है। ये किसी देश में अपने लोगों को निवासी बनाकर उन्हें कानूनी रूप से मतदाता, प्रत्याशी और संवैधानिक पदों पर कब्जा करने के माध्यम से होता है। इसमें चीन और मुस्लिम आबादी वाले देश अग्रणी हैं। किसी भी देश में मतदान का अधिकार सिर्फ उन्हें है, जो कानूनी रूप से इसके पात्र हैं। लेकिन बाहर से आए लोग मतदाता बनकर, संवैधानिक आड़ में देश को भीतर से खोखला बना देते हैं। इसी को मतदाता साम्राज्यवाद कहा जाता है। इससे लोकतंत्र को लोकतांत्रिक तरीके से नष्ट किया जा सकता है। प्रश्न यह भी है कि बीते 2 दशकों से भारत में कभी सुप्रीम कोर्ट, कभी संसद, कभी चुनाव आयोग को निशाना बनाया जा रहा है। क्या इसमें कोई बाहरी शक्ति भी है जो देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था पर हमला कर रही है? संवैधानिक स्थितिः भारत निर्वाचन आयोग एक स्वायत्त संवैधानिक प्राधिकरण है जो भारत में संघ एवं राज्य निर्वाचन प्रक्रियाओं का संचालन करने के लिए उत्तरदायी है। यह निकाय भारत में लोक सभा, राज्य सभा, राज्य विधान सभाओं, देश में राष्ट्रपति एवं उप-राष्ट्रपति के पदों के लिए निर्वाचनों का संचालन करता है। अनुच्छेद 324 ह्यएक स्वतंत्र और स्वायत्त चुनाव आयोग की नियुक्तिह्न की व्यवस्था करता है। वहीं अनुच्छेद 325 के अनुसार, किसी भी व्यक्ति को केवल धर्म, नस्ल, जाति या लिंग के आधार पर मतदाता सूची से बाहर नहीं रखा जा सकता। अनुच्छेद 324 में यह उपबंध है- लोकसभा और प्रत्येक राज्य की विधान सभा के निर्वाचन, वयस्क मताधिकार के आधार पर होंगे; भारत का प्रत्येक नागरिक जिसकी आयु इस संबंध में विधि द्वारा यथानिर्धारित तिथि को 18 वर्ष से कम न हो और जो अन्यथा अयोग्य घोषित न किया गया हो, ऐसे किसी भी निर्वाचन में मतदाता के रूप में पंजीकृत होने का हकदार होगा। मौलिक अधिकार या विशेषाधिकारः भारतीय संविधान के अनुच्छेद 324, 325 और 326 चुनाव प्रक्रिया और मतदाता सूची संबंधी प्रक्रिया का उल्लेख स्पष्ट है। मतदाता सूची को तैयार करना, उसका पुनर्निरीक्षण और त्रुटियां पाए जाने पर शुद्धिकरण भी होना आवश्यक है। जब किसी देश में बाहर से अवैध रूप से घुसपैठ किए लोग हो जाते हैं, तो वहां के लोकतंत्र की वैधता संकट में आ जाती है। धीरे-धीरे चुनाव लड़कर ये देश के कानून और प्रशासन को भी प्रभावित करते हैं। इसलिए मतदाता सूची का अचूक और अद्यतन रहना जरूरी है। अभी तक एक से अधिक स्थान पर वोटर के रूप में नाम, या मृतकों के नाम न कटने, नए नाम जुडने में अनियमितता जैसे विषय आते रहे हैं, जिससे एक व्यक्ति, एक मत की धारणा को नुकसान पहुंचता है। इससे लोकतंत्र में प्रतिनिधि चुनाव प्रक्रिया बिल्कुल अशुद्ध और अस्वस्थ हो जाती है। इसलिए समाज और खासतौर से राजनीतिक दलों को मतदाता सूची को शुद्ध और पारदर्शी रखने में चुनाव आयोग का सक्रिय सहयोग करना चाहिए।आज बूथ लूटने और फर्जी मतदाताओं के जरिए चुनाव जीतने का दौर बीत चुका है। यह भी स्मरण रहे यूरोप के देशों में लाखों की संख्या में अवैध लोग घुसपैठ करके रहने लगे हैं। धीरे-धीरे वे वहां मतदाता और नागरिक बने। फिर चुनाव लड़कर वहां की लोकतांत्रिक व्यवस्था में भी घुसपैठ कर चुके हैं। जिसका परिणाम आज ब्रिटेन, जर्मनी, स्वीडन, नार्वे, फ्रांस, स्पेन, नीदरलैंड जैसे देश भुगत रहे हैं। इसलिए भारत में अवैध घुसपैठियों को मतदाता बनने से रोकने के लिए कठोर कदम उठाने होंगे। अन्यथा संविधान की आड़ लेकर, लोकतंत्र को बंदी बनाने का काम करने वाली ताकतें देश को बर्बाद कर देंगी। चुनाव आयुक्तों के मतभेद का पटाक्षेपः हाल ही में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी के बीच मतभेद की बात को जोर-शोर से उठाया गया।

मीडिया खबरों में मुख्य रूप से तीन मुद्दे उठाए गए थे। पहला मुद्दा था, एसआईआर के तहत नामों को जोडन९ हटाने को लेकर दो चुनाव आयुक्तों की आपत्ति। दूसरा, फॉर्म 6 में बदलाव को लेकर आपत्ति दर्ज कराई गई। और तीसरा मुद्दा था ईसीआई नेट के केन्द्रीकरण का, जिससे कि स्थानीय चुनाव अधिकारी उसे एक्सेस नहीं कर सकते थे। इस पर आयोग ने स्पष्टीकरण दे दिया है। साथ ही चुनाव आयुक्तों में एकजुटता और अपनी संवैधानिक एवं गैर दलीय प्रतिबद्धता को सार्वजनिक रूप से दोहराया है।

विपक्षी दल और नेता बिना विषय की गंभीरता को समझे प्रतिवाद करेंगे तो जनता ज्यादा भ्रमित हो सकती है।

राशिफल

मेष राशिः मेष राशि वालों आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। इस राशि के स्टूडेंट्स का दिन राहत भरा होगा नया शेड्यूल बनाने का विचार कर सकते हैं। फोन का इस्तेमाल कम से कम करें। पैसों के मामलों में लोगों पर जरूरत से ज्यादा भरोसा करने से बचना चाहिए।

वृषभ राशिः वृष राशि वालों आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। आपकी योजनाओं के अनुसार सभी काम होने से आपका मन काम में लगा रहेगा। सामाजिक कामों में आपकी रुचि बढ़ सकती है। आपको अपने जीवनसाथी से काम में सहयोग मिलेगा। व्यापार में साझेदारी से आपको लाभ हो सकता है। आप चीजों को बेहतर ढंग से समझने की कोशिश करेंगे।

मिथुन राशिः मिथुन राशि वालों आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। अपने बिजनेस को बढ़ाने के लिये आपको नये अवसर मिलेंगे। उधार दिया हुआ पैसा अचानक ही वापस मिल सकता है। व्यापार में किसी व्यक्ति से फायदा मिलने की उम्मीद बढ़ेगी। भाई बहनों से आपको पूरा-पूरा सहयोग मिलेगा।

कर्क राशिः कर्क राशि वालों आज आपका दिन मिला जुला रहेगा। आपका ध्यान काम को पूरा करने में रहेगा। किस्मत का साथ मिलने में परेशानी आ सकती है। ऑफिस में किसी काम को लेकर थोड़ा विचार विमर्श करना पड़ सकता है, शत्रु पक्ष आपकी योजनाओं से प्रभावित होंगे। इस राशि के जो लोग विदेश में काम करते हैं, उनके लिए आज का दिन बेहद खास है।

सिंह राशिः सिंह राशि वालों आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आपकी पहले से चली आ रही समस्याओं का समाधान निकलेगा, जिससे आपको खुशी होगी। परिवार में धार्मिक काम की योजना बन सकती है। आप अपने जीवन में कुछ अच्छे बदलाव करने की कोशिश करेंगे। आप लम्बे समय तक स्वस्थ रहें इसके लिए आपको अच्छी डाइट लेनी चाहिए।

कन्या राशिः कन्या राशि वालों आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आज माता पिता के साथ कही घूमने का प्लान बनाएंगे। राजनीति व सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए दिन फेवरेबल रहेगा। महिलाओं के लिए दिन शानदार रहेगा, कार्यों को जल्द पूरा करने से सफलता मिलेगी। बिजनेसमैन आज कोई जरूरी मीटिंग अटेंड कर सकते हैं। आज किसी से लिए ऋण से छुटकारा मिलेगा, आपकी टेंशन खत्म होंगी।

तुला राशिः तुला राशि वालों आज आपका दिन उत्साह से भरा रहने वाला है। बिजनेस में आपको बड़ा धन लाभ होगा। शत्रु पक्ष आज आपसे दूरियां बनाकर रहेंगे। जो लोग लकड़ी के व्यापार से जुड़े हैं, आज उनको कोई बड़ा प्रोजेक्ट मिलेगा। राइटर आज कोई नई स्टोरी लिख सकते हैं, जिसे लोगों द्वारा खूब पसंद किया जायेगा। वृश्चिक राशिः वृश्चिक राशि वालों आज आपके दिन की शुरूआत आपके अनुकूल होने वाली है। अगर किसी बिजनेस ट्रिप के लिये आप बाहर जा रहे हैं, तो घर के बड़े बुजुर्ग का आशीर्वाद लेकर जाएं, आपका काम सफल होगा। आज आपके जीवनसाथी को तरक्की का अच्छा अवसर मिलेगा।

धनु राशिः धनु राशि वालों आज आपका दिन पहले की अपेक्षा अच्छा रहेगा। आप परिवार वालों के साथ समय बिताएंगे साथ ही जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने जायेंगे, इससे आपके रिश्ते बेहतर होंगे। दोस्तों के साथ घर पर ही मूवी देखने का प्लानिंग कर सकते हैं। आपकी मुलाकात किसी ऐसे व्यक्ति से होगी, जिससे आपको भविष्य में फायदा होगा।

मकर राशिः मकर राशि वालों आज आपका दिन मिला जुला रहेगा। एकाग्र मन से किया गया काम लाभदायक साबित होगा। लवमेट के लिये आज का दिन बढि ?ा है, किसी अच्छे रेस्टॉरेन्ट में लंच के लिए जायेंगे। किसी जिम्मेदारी को अनदेखा करने से आज आपको बचना चाहिए। आज आपकी सेहत ठीक-ठाक रहेगी। आप कम से कम समय में काम निपटाने की कोशिश करेंगे।

कुम्भ राशिः कुम्भ राशि वालों आज आपका दिन उत्तम रहेगा। आज आप किसी बात को लेकर थोड़ी उलझन में रहेंगे। परिवार वालों के साथ बाहर मूवी का प्लान बनायेंगे। दोस्त की बर्थ डे पार्टी मे जायेंगे, जहां बाकी दोस्तों के साथ एंजॉय करने का मौका मिलेगा।

मीन राशिः मीन राशि वालों आज आपका दिन नई उमंगों के साथ शुरू होने वाला है। आपके अच्छे विचार लोगों में अलग पहचान बनाने में मदद करेंगे। घर पर डेकोरेशन का काम भी करवाने का मन बनायेंगे। काट्रैक्टर के लिए आज का दिन धन लाभ देने वाला है।

सू- दोकू क्र.178

	6	3		8		1		4
8			3		4		7	
	4			5		8		
3		8			1		4	
	1			4		9		7
		4			2		1	
1				3		4		8
	8		2		9		3	
		9		1		2		5

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

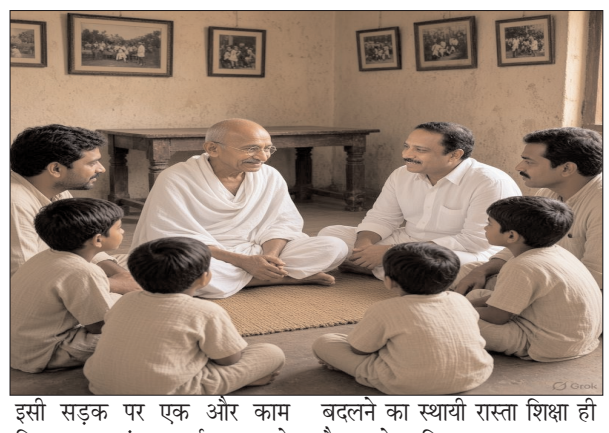
सू-दोकू क्र.177 का हल

6	7	9	2	4	5	3	1	8
2	1	8	3	7	6	9	5	4
7	6	4	5	2	8	1	3	9
3	8	1	6	9	7	2	4	5
9	2	5	4	1	3	8	6	7
8	3	7	9	6	4	5	2	1
5	4	2	8	3	1	7	9	6
1	9	6	7	5	2	4	8	3
4	5	3	1	8	9	6	7	2

नजरिया | ललित गर्ग ।

छुआछूत मिटाने का संदेश दिया गांधीजी की पाठशाला ने

गांधीजी ने दिल्ली स्थित मंदिर रोड के दो मंदिरों में अस्पृश्यता व जातिवाद के खिलाफ लड़ाई लड़ी। उनकी वाल्मीकि मंदिर की पाठशाला यह कहने का तरीका था कि कोई अछूत नहीं होता। हर जाति के लिए खुला बिड़ला मंदिर उस दलील का एक हिस्सा था व वाल्मीकि मंदिर दूसरा। यानी मंदिर सबके हैं, शिक्षा सबकी है।राजधानी का मंदिर मार्ग बहुत लंबा नहीं है। करीब एक-सवा किलोमीटर होगा। यह सड़क मंदिरों से भरी है। इधर शिक्षा के मंदिर यानी स्कूल भी खूब हैं। दिल्ली की किसी और सड़क पर इतने स्कूल शायद ही हों। अजीब संयोग है। महात्मा गांधी ने इसी व्यस्त सड़क के दो मंदिरों में अस्पृश्यता और जाति की बुराई के खिलाफ लड़ाई लड़ी। मंदिर मार्ग के एक छोर पर बिरला मंदिर है तो दूसरे छोर पर वाल्मीकि मंदिर है।क्या इतने स्कूलों ने उन्हें शिक्षक बनने की प्रेरणा दी? शायद! पक्की बात यह है कि वाल्मीकि मंदिर में रहते हुए वे शिक्षक भी बने। पूरे अर्थों में बने। आज गांधी जयंती है। बीते कुछ दिनों से उस कमरे की साफ-सफाई चल रही है जिसमें गांधी जी रहे थे। वे यहां 1 अप्रैल 1946 से 10 जून 1947 तक ठहरे। बीच-बीच में कहीं गए भी, और फिर लौटे भी। कुल दो सौ चौदह दिन यहीं बिताए।इससे बहुत पहले उन्होंने



इसी सड़क पर एक और काम किया था। यहां 12 मार्च 1939 को उन्होंने बिड़ला मंदिर का उद्घाटन किया। शर्त साफ थी। मंदिर सबके लिए खुला रहेगा। दलित भी अंदर जा सकेंगे। दिल्ली में किसी वास्तुकार द्वारा डिजाइन किए गए इस प्रथम मंदिर का उद्घाटन करने से पहले उन्होंने यही शर्त रखी। जाति के आधार पर किसी का प्रवेश नहीं रोका जाएगा। आपको इसके मेन गेट के बाहर एक शिलापट्ट मिलेगी। उस पर साफ लिखा है कि यहां किसी की जाति के आधार पर प्रवेश पर रोक नहीं है।कुछ वर्षों बाद गांधी जी वाल्मीकि मंदिर में रहने आए। वे वाल्मीकि परिवारों के बीच मंदिर परिसर में रहे। यह समय उनके जीवन का खास अध्याय है। शायद पहली और आखिरी बार वे पूरे अर्थों में शिक्षक बने। वे जानते थे कि वाल्मीकि समुदाय का जीवन बदलने का स्थायी रास्ता शिक्षा ही है। उनके प्रति उनका भाव गहरा था। जब वे आए तब अधिकतर वाल्मीकि परिवार झुग्गियों में रहते थे। वे गोल मार्केट, इरविन रोड और कनॉट प्लेस के आसपास सफाई का काम करते थे।इस समय कृष्ण विद्यार्थी वाल्मीकि मंदिर के केयरटेकर हैं। वे गांधी जी के शिक्षक बनने की कहानी सुनाते हैं। गांधी जी जब यहां आए तो उन्हें बहुत कष्ट हुआ। इसलिए कि वाल्मीकि परिवार लगभग पूरी तरह निरक्षर थे। किसी ने स्कूल का चेहरा तक नहीं देखा था। तब उन्होंने अपने कमरे में बच्चों और बड़ों को पढ़ाना शुरू किया। वे हिंदी पढ़ाते थे। अंग्रेजी भी पढ़ाते थे। उनमें कृष्ण विद्यार्थी के पिता भी थे।गांधी जी अपनी कक्षाओं को लेकर बहुत गंभीर थे। कक्षा रोज की प्रार्थना से पहले शुरू होती थी। पाठ खत्म किए बिना वे अक्सर बड़े नेताओं से मिलने को टाल देते थे। दीवारों पर उस समय की तस्वीरें लगी हैं। वे पीली पड़ने लगी हैं। एक पेंटिंग कमरे की असली कहानी कहती है। उसमें कई बच्चे बापू के पांवों से लिपटे हैं। चित्रकार का नाम खो गया है। पर उस कमरे का भाव नहीं खोया। फर्श पर कालीन बिछा है। बीच में लकड़ी की मेज है। गांधी जी उसी पर लिखते थे। दाईं ओर चारपाई पड़ी है। उसी पर वे सोते थे। पास में छोटा चरखा रखा है। कुछ नहीं हटाया गया। कमरा वैसा ही लगता है जैसा उनके रहने के समय था।

दिल्ली ब्रदरहुड सोसायटी से जुड़े ब्रदर सोलोमन जॉर्ज के मुताबिक, ह्यवे महीने भारत के राजनीतिक जीवन के सबसे व्यस्त महीनों में थे।

कैबिनेट मिशन दिल्ली में था। सत्ता हस्तांतरण की बातें रोज चल रही थीं। कांग्रेस नेता सलाह के लिए वाल्मीकि बस्ती आते थे। फिर भी वे उन बच्चों के साथ बैठने का समय निकालते थे, जिनके हाथ में कभी किताब नहीं आई थी। गांधी जी की पाठशाला करीब तीस बच्चों से शुरू हुई। जल्दी ही करीब पचहत्तर हो गई। गोल मार्केट, पहाड़गंज और इरविन रोड के लड़के-लड़कियां भी आने लगे। सोलोमन जॉर्ज यहां पर होने वाली सर्व धर्म प्रार्थना सभा में भाग लेते हैं।

विचार

सेवा संकल्प से साकार हो रहा सुपोषित छत्तीसगढ़

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर चलाए जा रहे सेवा संकल्प अभियान की भावना जनभागीदारी और सेवा के माध्यम से समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंच रही है। इस अभियान की सार्थक पहल 'आंगन मिलन उत्सवइ के रूप में गांवों के आंगनबाड़ी केंद्रों तक पहुंचती दिखाई दे रही है। प्रधानमंत्री के 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन की सेवा-भावना से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों का उल्लेख आधिकारिक स्तर पर भी किया गया है।आंगन मिलन उत्सव केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि बच्चों के स्वस्थ, वर्तमान और उज्ज्वल भविष्य के लिए समाज की सामूहिक जिम्मेदारी का उत्सव है। गांव के आंगनबाड़ी केंद्रों में महतारी वंदन योजना के हितग्राहियों का सम्मान, बच्चों को कुपोषण से बाहर लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली दीदियों, मितानिनों और आंगनबाड़ी कार्यकताओं का सम्मान इस पहल को सेवा और सम्मान की संवेदना से जोड़ता है।गांव के वरिष्ठ नागरिकों और जनप्रतिनिधियों की सहभागिता इस आयोजन को और अधिक आत्मीय बनाती है। उनके हाथों बच्चों और महिलाओं को सुपोषण एवं स्वस्थ जीवन के लिए उपयोगी टिप्स दिए जाना उस पीढ़ी के अनुभव को नई पीढ़ी के भविष्य से जोडने जैसा है।उत्सव में अन्न के दानों से बनाई गई सुपोषण की रंगोली केवल कला की अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि यह संदेश देती है कि हमारे घर और खेतों में उपलब्ध पौष्टिक अन्न ही स्वस्थ जीवन की मजबूत नींव है। बच्चों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से भी सुपोषण का संदेश सहज और प्रभावी ढंग से जन-जन तक पहुंचाया जा रहा है।इसी क्रम में अन्नप्राशन कार्यक्रम नवजात के जीवन में पोषण की नई शुरूआत का प्रतीक बनता है, तो गोद भराई कार्यक्रम मातृत्व, मातृ स्वास्थ्य और आने वाली पीढ़ी की देखभाल के प्रति सामाजिक जिम्मेदारी का भाव जगाता है।दरअसल, सुपोषण केवल भोजन की पर्याप्तता का विषय नहीं है। यह मां के स्वास्थ्य, बच्चे के पोषण, परिवार की जागरूकता और समाज की सहभागिता से जुड़ा व्यापक संकल्प है। जब आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, मितानिन, स्व-सहायता समूह की दीदियां, जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ नागरिक और ग्रामीण समुदाय एक साथ मिलकर बच्चों के पोषण की चिंता करते हैं, तब सेवा का भाव धरातल पर दिखाई देता है।

घुटने हुए स्टील मगर तेवर वही देसी

उम्र बढ़ने का असली पता शायद सफेद बालों से नहीं, घुटनों से चलता है। पहले सीढ़ियां देखते ही मंजिल याद आती थी। अब सीढ़ियां देखते ही घुटने याद आते हैं। और अगर लिफ्ट न हो तो सीढ़ियां अरावली पर्वत नजर आती हैं।घुटने बदलवाते समय महिला रोगी ने डॉक्टर से पूछा–मेरे पुराने वाले घुटनों का हमें क्या दोगे? डॉक्टर हंसते हुए बोला–बहन जी! ये घुटने हैं या पुरानी चांदी की पायल?उम्र बढ़ने का असली पता शायद सफेद बालों से नहीं, घुटनों से चलता है। पहले सीढ़ियां देखते ही मंजिल याद आती थी। अब सीढ़ियां देखते ही घुटने याद आते हैं। और अगर लिफ्ट न हो तो हम ऐसे देखते हैं, जैसे सामने सीढ़ियां नहीं, पूरा अरावली पर्वत खड़ा हो!

घुटनों के साथ हमारी भाषा भी बड़ी दिलचस्प है। बच्चा जब पहली बार घुटनों के बल चलता है, तो घर में खुशी की लहर दौड़ जाती है। और वही बच्चा जब बड़ा होकर माता-पिता के सामने घुटने टेककर प्रणाम करता है, तो वह सम्मान है। मंदिर में घुटने टेकना श्रद्धा है। किसी अपने के सामने अहंकार छोड़कर घुटने टेकना प्रेम है। यानी घुटने हमें यह भी सिखाते हैं कि जिंदगी में हर जगह अकड़कर खड़े रहना जरूरी नहीं। और फिर घुटने सिर्फ झुकाते नहीं, उठाते भी हैं। इन्हीं के सहारे आदमी गिरकर उठता है।किसी के सामने घुटने टेकना विनम्रता भी हो सकती है और मजबूरी भी। यानी घुटने केवल शरीर का जोड़ नहीं हैं, हमारी जिंदगी के कई भावों के गवाह हैं। बचपन में घुटने छिलते थे, तो मां फूंक मारकर कहती थी–कुछ नहीं हुआ। यौवन आया, तो इन्हीं घुटनों ने खेत, सीढ़ियां, पहाड़ सब पार करवाए। सैकड़ों यात्राएं करवाईं। शादी-ब्याह में घंटों खड़े रहे। नाचे-कूदे। तरह-तरह की कूद और दौड़ में मेडल की झड़ी लगा दी।घुटनों की अपनी किस्मत भी होती है। जब तक ठीक-ठाक चलें, कोई पूछता नहीं। और जब जवाब देने लगें, तो घर का हर आदमी डॉक्टर बन जाता है–तेल मालिश करो, हल्दी वाला दूध पी लो, सीढ़ियां मत चढ़ो, थोड़ा वजन कम करो। और घुटने मन ही मन कहते हैं–भाई, कुछ करो या न करो, पर अब नानी जरूर याद करो।हाल ही में एक और खबर आई थी कि श्मशान से किसी आदमी ने स्टील के घुटने चोरी कर लिए। सोचा कि घुटनों का भी कोई बाजार है क्या? एक सवाल यह भी है कि जिन्होंने मृत्यु उपरांत अंगदान का संकल्प लिया है, क्या ये स्टील वाले भी किसी के लग जाएंगे या व्यर्थ जाएंगे?

शब्द सामर्थ्य -178

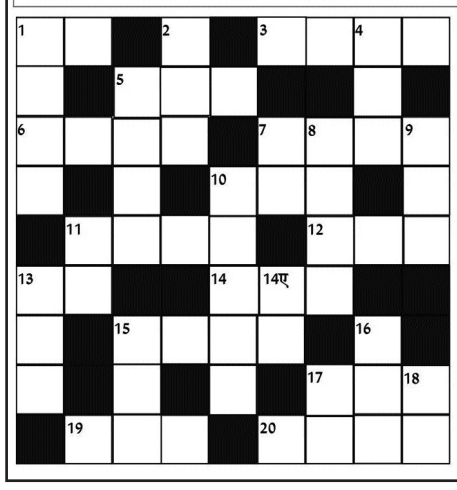
(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. ठुड्डी पर के बाल, ठुड्डी, ठोढ़ी 3. विशेष और सामान्य (आदमी), आम और खास लोग (उ.) 5. इच्छा, हसरत, अभिलाषा 6. शारीरिक कोमलता, सुकुमारता (उ.) 7. सविनय, विनती पूर्वक 10. बिलख-बिलख कर रोना 11. कहानी, उपन्यास 12. कुशल, दक्ष, विशेषज्ञ 13. भार, दबाव 14. शुभ-अशुभ की पूर्व सूचना, शुभ अवसर पर होने वाला मंगल कार्य संबंधी गीत 15. एहसान, भलाई, हित 17. सूत काटने, लपेटने में काम आने वाली चर्खे से लगी सलाई 19. एक हिन्दी महीना, श्रावण 20. सप्ताह का एक दिन, बृहस्पतिवार।

ऊपर से नीचे

1. जंगल में लगी आग, दावाग्नि 2. मूल्य, दाम 4. स्वतंत्र, स्वाधीन 5. संकट, कष्ट, दर्द 7. लकड़ी, कन्या, कानों में पहनने का छल्ला, श्रेष्ठ 8. बेइज्जती, अनादार 9. शोभा, सुंदरता, बसंत ऋतु 10. तबाह करने वाला,विनाशक 11. इस समय 13. असुर, राक्षस, दैत्य 14 ए. गुरुमंत्र, बहुत अच्छी युक्ति 15. पर्व, त्यौहार 16. शिकायत, उलाहना, ग्लानि 17. वृक्ष, पेड़ 18. मुंह से निकलने वाला थूक जैसा पदार्थ।



शब्द सामर्थ्य क्रमांक 177 का हल

खा	म	खां			इं			
स	ह		ब	र	सा	त		प
	क	हा	नी		न	क	च	ढ़ा
त			स्व			ली		ई
क	या	म	त		क	फ	न	
दी		दी		बा	बू		ह	वा
र	ह	ना		ल	त	खो	र	
	वा		नौ	क	र			सा
भा	ई		का			बा	द	ल

जल जन सेवा संकल्प अभियान के तहत वीरेंद्र नगर में आयोजित हुआ जन-चौपाल

जल संरक्षण, संवर्धन और संग्रहण को लेकर ग्रामीणों एवं कृषकों से किया संवाद



कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। जल संसाधन विभाग द्वारा 'जल जन सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत ग्राम वीरेंद्र नगर में जन-चौपाल एवं कृषक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जल संरक्षण, जल संवर्धन, जल संग्रहण और जल स्रोतों के बेहतर उपयोग को लेकर ग्रामीणों एवं कृषकों से संवाद किया गया। कार्यक्रम में जल संसाधन उपसंभाग क्रमांक-3, सहसपुर लोहारा के अनुविभागीय अधिकारी राहुल पंत उप अभियंता जयप्रकाश एवं उप अभियंता कृष्ण कुमार साहू उपस्थित रहे। साथ ही क्षेत्र के जनपद सदस्य, ग्राम पंचायत के सरपंच, पंच, अन्य जनप्रतिनिधि एवं स्थानीय कृषकों ने सहभागिता की। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ उपस्थित अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं कृषकों द्वारा महात्मा गांधी के चित्र के समक्ष पुष्पांजलि अर्पित कर एवं पूजा-अर्चना के साथ किया गया। इसके बाद जल संवर्धन एवं जल संग्रहण को बढ़ावा देने के विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। जन-चौपाल में किसानों ने क्षेत्र में प्रगतिरत सुतियापाट विस्तारीकरण कार्य को लेकर प्रसन्नता व्यक्त की। किसानों ने कहा कि नवीन नहर के निर्माण से ग्राम वीरेंद्र नगर एवं आसपास के क्षेत्र के तालाबों तक निस्तारी के लिए पानी की बेहतर उपलब्धता सुनिश्चित होगी। इससे स्थानीय जल संसाधनों को मजबूती मिलेगी और ग्रामीणों एवं कृषकों को लाभ मिलेगा।

कृषकों ने सुतियापाट विस्तारीकरण कार्य को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने का आग्रह किया, ताकि सुतियापाट जलाशय का पानी समय पर क्षेत्र तक पहुंच सके और आगामी ग्रीष्म ऋतु में भी जल की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके। जन-चौपाल में वीरेंद्र नगर में जल संसाधन विभाग द्वारा पूर्व में निर्मित जल संरचनाओं के जीर्णोद्धार को लेकर भी सकारात्मक चर्चा हुई। विभागीय उप अभियंताओं ने कृषकों से जल संरचनाओं के संबंध में उनके व्यावहारिक सुझाव प्राप्त किए तथा उनके संरक्षण, उपयोग और जीर्णोद्धार से संबंधित तकनीकी जानकारी साझा की।

क्षेत्र में भूजल संग्रहण एवं जल संवर्धन को और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से कृषकों ने सुतियापाट नहर से नवीन माइनर कैनाल का निर्माण कर उसे वीरेंद्र नगर व्यपवर्तन तक ले जाने का प्रस्ताव रखा। कृषकों ने बताया कि इससे क्षेत्र में जल संग्रहण को बढ़ावा मिलेगा और भूजल स्तर के संरक्षण में भी मदद मिलेगी। विभागीय अधिकारियों ने इस मांग को संज्ञान में लेते हुए आवश्यक कार्यवाही के लिए प्रस्ताव पर विचार करने की बात कही। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, पंचायत प्रतिनिधियों, कृषकों एवं विभागीय अधिकारियों के बीच जल संरक्षण, जल संवर्धन एवं जल संग्रहण को लेकर सार्थक संवाद हुआ। 'जल जन सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत आयोजित जन-चौपाल में ग्रामीणों ने जल संसाधनों के विकास एवं संरक्षण से जुड़े सुझाव साझा किए।

मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय की पहल से गायलुंगा-बछराव मार्ग की मरम्मत शुरू

जशपुरनगर (दैनंदिनी ब्यूरो)। मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय बगिया की पहल से बादलखोल अभ्यारण्य क्षेत्र के गायलुंगा से बछराव मार्ग की मरम्मत का कार्य शुरू हो गया है। गेम रेंज नारायणपुर द्वारा जेसीबी मशीन एवं श्रमिकों की मदद से सड़क को समतल करने, गड्ढों को भरने और आवागमन योग्य बनाने का कार्य किया जा रहा है।

सड़क की स्थिति खराब होने के कारण क्षेत्रवासियों को आवागमन में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। विशेषकर बारिश के मौसम में सड़क पर कीचड़ और बड़े-बड़े गड्ढों के कारण आवाजाही मुश्किल हो जाती थी। कई स्थानों पर वाहनों के फंसने की स्थिति भी निर्मित हो रही थी। इसका सीधा असर स्कूली बच्चों, शिक्षकों, कर्मचारियों, मरीजों और दैनिक आवागमन करने वाले ग्रामीणों पर पड़ रहा था।

गायलुंगा-बछराव मार्ग आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग है। इसके खराब होने से लोगों को स्कूल, अस्पताल, बाजार और अन्य जरूरी सेवाओं तक पहुंचने में परेशानी होती थी। सड़क की मरम्मत शुरू होने के बाद अब ग्रामीणों को आवागमन की समस्या से राहत मिलने की उम्मीद है।

मरम्मत कार्य के तहत सड़क को जेसीबी मशीन की सहायता से समतल किया जा रहा है तथा आवश्यक स्थानों पर श्रमिकों के माध्यम से सुधार कार्य किया जा रहा है। विभाग द्वारा सड़क को सुगम बनाने के लिए आवश्यक कार्यवाही की जा रही है, जिससे बारिश के दौरान भी लोगों को आवागमन में अपेक्षाकृत सुविधा मिल सके। सड़क मरम्मत कार्य शुरू होने पर स्थानीय ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय बगिया के प्रति आभार व्यक्त किया है। ग्रामीणों ने कहा कि लंबे समय से सड़क की खराब स्थिति के कारण उन्हें काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। अब मरम्मत कार्य शुरू होने से उन्हें बड़ी राहत मिलेगी।

गोपाल कृष्ण अग्रवाल बने छत्तीसगढ़ प्रांतीय अग्रवाल संगठन के जीपीएम जिलाध्यक्ष



गौरेला (दैनंदिनी ब्यूरो)। छत्तीसगढ़ प्रांतीय अग्रवाल संगठन (सम्मेलन) ने संगठन विस्तार करते हुए गोपाल कृष्ण अग्रवाल, पिता - फकीरचंद अग्रवाल, समता नगर को गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिला अध्यक्ष पद पर नियुक्त किया है। यह नियुक्ति प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. अशोक अग्रवाल की अनुशंसा पर आगामी आदेश तक अथवा फरवरी-मार्च 2028 में प्रस्तावित नवीन प्रांतीय नेतृत्व के चयन तक के कार्यकाल के लिए की गई है। उनका कार्यक्षेत्र संपूर्ण जीपीएम जिला रहेगा। नियुक्ति पत्र में संगठन ने उनकी सक्रियता, सहजता, सरलता, संगठन के प्रति समर्पण तथा समाजहित में कार्य करने की प्रबल भावना को देखते हुए यह जिम्मेदारी दी है।

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ प्रांतीय अग्रवाल संगठन आज केवल संगठनात्मक गतिविधियों तक सीमित न रहकर समाज सेवा, सामाजिक एकजुटता एवं जरूरतमंद परिवारों के सहयोग की दिशा में कार्य कर रहा है। संगठन की महत्वाकांक्षी सेवा योजना श्री अग्रसेन साँझा चूल्हा" के माध्यम से जरूरतमंद परिवारों को भोजन एवं राशन सहयोग तथा विभिन्न क्षेत्रों में निःशुल्क सामूहिक कन्या विवाह जैसे जनसेवा कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। जिलाध्यक्ष नियुक्त होने पर समाज के लोगों ने हर्ष व्यक्त करते हुए गोपाल कृष्ण अग्रवाल को बधाई दी है। इस नियुक्त पर अग्रवाल समाज कि ई साथ साथ उनके मित्रो और शुभचिंतकों ने भी बधाई दी है, गोपाल अग्रवाल सफल व्यवसायी और समाजसेवी के रूप में वर्षों से जिले में कार्यरत है और उनके द्वारा समाजसेवा का कार्य किया जाता रहा है!

8 किलोमीटर पैदल चलकर बेंगपाल पहुंची स्वास्थ्य टीम, 106 ग्रामीणों का किया उपचार

रायपुर। जहां सड़कें खत्म हो जाती हैं, वहां अक्सर सरकारी सेवाओं की पहुंच भी मुश्किल हो जाती है। लेकिन सेवा संकल्प अभियान का उद्देश्य ही उन दूरस्थ इलाकों तक पहुंचना है, जहां जरूरत सबसे अधिक है। इसी संकल्प को साकार करते हुए स्वास्थ्य विभाग की टीम ने बैलाडीला के अंतिम छोर पर बसे पहुंचविहीन ग्राम बेंगपाल तक पहुंचने के लिए करीब 8 किलोमीटर का पैदल सफर तय किया। गांव में पहुंचने के बाद पेड़ की छांव के नीचे ही स्वास्थ्य शिविर लगाया गया और यही छांव ग्रामीणों के लिए उस दिन अस्पताल बन गई। मौके पर स्वास्थ्य अमले ने गांव के 106 ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच कर उन्हें उपचार एवं चिकित्सकीय परामर्श दिया। शिविर में प्रत्येक ग्रामीण की मलेरिया जांच की गई। वहीं 30 वर्ष से अधिक आयु के लोगों की गैर-संचारी रोग कार्यक्रम के अंतर्गत रक्तचाप एवं मधुमेह की जांच की गई। साथ ही महिलाओं का गर्भवती पंजीयन तथा बच्चों का टीकाकरण भी किया गया। शिविर के दौरान मोतियाबिंद से पीड़ित मरीजों की पहचान कर उन्हें आगे उपचार एवं ऑपरेशन के लिए जिला अस्पताल भेजने की प्रक्रिया की गई। इसके साथ ही ग्रामीणों को आयुष्मान कार्ड तथा 70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के लिए प्रधानमंत्री वय वंदना योजना से संबंधित कार्ड की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई। बेंगपाल में आयोजित यह शिविर केवल स्वास्थ्य जांच तक सीमित नहीं रहा, बल्कि ग्रामीणों को स्वास्थ्य विभाग की विभिन्न योजनाओं से जोड़ने का माध्यम भी बना।

आबादी पट्टा सत्यापन के लिए 7 दिवस में दस्तावेज जमा करने निर्देश

कार्यालय कलेक्टर, कबीरधाम के कक्ष क्रमांक-25 में स्वयं उपस्थित होकर करें दस्तावेज जमा

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। नगर पालिका परिषद कवर्धा द्वारा आबादी पट्टा वितरण की प्रक्रिया को आगे बढ़ाते हुए नागरिकों से आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने की अपील की गई है। पट्टाधृति अधिकार अधिनियम 2023 के तहत नगर पालिका सीमा क्षेत्र में आबादी पट्टा वितरण के लिए 10 जुलाई 2026 से 20 सितंबर 2026 तक सर्वे कार्य किया गया था। सर्वे के बाद अब आबादी पट्टा सत्यापन की प्रक्रिया के लिए संबंधित हितग्राहियों को आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे। नगर पालिका द्वारा इस संबंध में मुनादी कराकर आम नागरिकों को जानकारी दी जा रही है ताकि पात्र हितग्राही निर्धारित समय-सीमा में अपने दस्तावेज उपलब्ध करा सकें।

20 अगस्त 2017 के पूर्व के दस्तावेज होंगे आवश्यक

नगर पालिका की सूचना के अनुसार आबादी पट्टा सत्यापन के लिए 20 अगस्त 2017 के पूर्व जारी दस्तावेजों में से उपलब्ध दस्तावेज प्रस्तुत किए जा सकते हैं। इनमें प्रमुख रूप से भारत निर्वाचन आयोग/राज्य निर्वाचन आयोग की मतदाता सूची, बिजली बिल, टेलीफोन बिल, नगर पालिका का संपत्तिकर/समेकितकर रसीद, जलकर भुगतान रसीद, भवन अनुज्ञा/दुकान अनुज्ञा, अधिनियम के तहत पूर्व में जारी पट्टा, आधार कार्ड या ड्राइविंग लाइसेंस को शामिल किया गया है।

पट्टा सर्वे टीम का बैठक लेकर दिये निर्देश

नगर पालिका परिषद कवर्धा द्वारा पट्टाधृति अधिकार अधिनियम, 2023 के तहत आबादी पट्टा वितरण की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जा रहा है। इसी क्रम में आज नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी, अपर कलेक्टर नरेन्द्र पैकरा एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी नारायण साहू ने आबादी पट्टा सर्वे कार्य में लगे अधिकारियों एवं कर्मचारियों की बैठक लेकर अब तक किए गए सर्वे कार्य की समीक्षा की। बैठक में अधिकारियों एवं कर्मचारियों से वार्डवार किए गए सर्वे, चिन्हांकित प्रकरणों तथा सर्वे के दौरान सामने आई जानकारी के संबंध में चर्चा की गई। अधिकारियों ने आबादी पट्टा सर्वे से संबंधित दस्तावेजों के परीक्षण एवं सत्यापन की प्रक्रिया को नियमानुसार और गंभीरता से पूर्ण करने के निर्देश दिए।



स्वयं उपस्थित होकर जमा करें दस्तावेज

मुख्य नगर पालिका अधिकारी नारायण साहू ने बताया कि वे निर्धारित आवेदन प्रारूप एवं शपथ पत्र के साथ 7 दिवस के भीतर जिला कार्यालय कलेक्टर, कबीरधाम के कक्ष क्रमांक-25 में स्वयं उपस्थित होकर दस्तावेज प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें। उन्होंने बताया कि आबादी पट्टा सत्यापन की प्रक्रिया के लिए निर्धारित दस्तावेज समय पर प्रस्तुत करना आवश्यक है। इसके लिए नगर क्षेत्र में मुनादी के माध्यम से भी नागरिकों को सूचना दी जा रही है सूचना को गंभीरता से लेते हुए निर्धारित समय-सीमा के भीतर आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करें, ताकि आबादी पट्टा सत्यापन एवं आगे की प्रक्रिया समय पर पूरी की जा सके।

'रिफॉर्म उत्सव' के साथ हुआ उत्कृष्ट स्वच्छाग्रहियों का सम्मान

जशपुर (दैनंदिनी ब्यूरो)। भारत सरकार के पंचायती राज मंत्रालय के निर्देश एवं कलेक्टर रोहित व्यास के निर्देशानुसार 02 अक्टूबर 2026 गांधी जयंती के अवसर पर जिला जशपुर की समस्त ग्राम पंचायतों में रिफॉर्म उत्सव को जन योजना अभियान (PPC) के साथ एकीकृत कर विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्वच्छता ही सेवा अभियान 2026' के तहत स्वच्छता कार्यक्रम भी आयोजित किये गये। रिफॉर्म उत्सव पर चर्चारूभारत सरकार द्वारा नागरिकों के जीवन को सुगम बनाने हेतु किये गये सुधारों की जानकारी फ्लिप चार्ट, पोस्टर एवं वीडियो के माध्यम से दी गई।



ग्रामीणों से प्राप्त सुझावों को संकलित कर 'विकसित ग्राम पंचायत योजना (टळच्च्) एवं ग्राम पंचायत विकास योजना के बारे में विस्तृत चर्चा किया गया।

ग्राम सभा के अन्य प्रमुख निर्णयरू सड़कों पर आवारा मवेशियों से होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने हेतु जुर्माना ,शास्ति लगाने का संकल्प, च्।प् 2.0, समर्थ पंचायत पोर्टल पर ऑनलाइन कर अधिरोपण,वी बी राम जी के तहत 125 दिन रोजगार गारंटी, मोर गांव मोर पानी महाअभियान, पीएम आवास प्लस 2.0 की पी डब्लू एल सूची का अनुमोदन।

स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत उत्कृष्ट कार्य करने वाले स्वच्छाग्रहियों, स्वच्छता दीदियों एवं सफाई मित्रों को ग्राम सभा के माध्यम से प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। साथ ही सभी पंचायतों में स्वच्छता शपथ, श्रमदान, सार्वजनिक स्थलों की सफाई एवं स्वच्छता रैली का आयोजन किया गया। रिफॉर्म उत्सव के अंतर्गत विभिन्न विभागों के विषयों को सम्मिलित करते हुए जनजागरुकता अभियान चलाकर प्रचार प्रसार भी किया गया। समस्त ग्रामों से अधिक जनसंख्या में ग्रामीण जनों ने अपनी उपस्थिति देकर विशेष ग्राम सभा को सफल बनाया।

अजगरबहार सेवा सेतु शिविर में 107 आवेदन प्राप्त, 66 का मौके पर निराकरण

कोरबा। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत ग्राम पंचायत अजगरबहार में आयोजित सेवा सेतु शिविर में ग्रामीणों को शासन की 26 प्रमुख जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। शिविर में मांग और शिकायत से संबंधित कुल 107 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से 66 आवेदनों का मौके पर निराकरण किया गया, जबकि शेष 41 आवेदन आगे की कार्यवाही के लिए संबंधित विभागों को भेजे गए। शिविर में विभिन्न विभागों ने पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ प्रदान किया। जनपद पंचायत कोरबा की ओर से ग्राम सोनपुर की शुकवारा बाई, प्रेमसाय और कौशिल्या बाई/दौलतराम सहित तीन हितग्राहियों को पेंशन स्वीकृति आदेश दिए गए। स्वास्थ्य विभाग ने टीबी के चार मरीजों को फूड बास्केट और पात्र हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड वितरित किए। महिला एवं बाल विकास विभाग ने तीन महिलाओं की गोदभराई तथा तीन बच्चों का अन्नप्राशन कराया। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' के अंतर्गत दो दीदियों को डेमो चेक और लखपति दीदियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। राजस्व विभाग ने किसानों को किसान किताब तथा पात्र हितग्राहियों को पट्टे वितरित किए। कार्यक्रम में वरिष्ठ नागरिकों और ग्रामीण कार्यकर्ताओं का सम्मान भी किया गया। शिविर में स्वास्थ्य, कृषि, राजस्व, श्रम, शिक्षा, महिला एवं बाल विकास, पशुधन विकास तथा मत्स्य विभाग के अधिकारियों ने ग्रामीणों को विभागीय योजनाओं और आवेदन प्रक्रिया की जानकारी दी।

अपने विकास के लिए विकसित ग्राम पंचायत प्लान तैयार करने जुटे ग्रामीण

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत जिले के वनांचल क्षेत्र से लेकर मैदानी क्षेत्रो तक अपने ग्राम पंचायत को विकास के मुख्य धारा से जोड़ते हुए 2047 तक विकसित भारत बनाए जाने के संकल्प को पूरा किया जाना है। इसी उद्देश्य से विकास कार्य की रूपरेखा पर 2 अक्टूबर की विशेष ग्राम सभा में ग्रामीणों द्वारा विस्तार से चर्चा की। विकसित भारत रोजगार के लिए गारंटी और आजीविका मिशन ग्रामीण अंतर्गत विकसित ग्राम पंचायत प्लान तैयार करने के लिए ग्रामीणों के समक्ष योजना से संबंधित पूरी जानकारी रखी गई। जी राम जी योजना के चार आधार स्तंभ सशक्तिकरण, विकास,अभिसरण और संतृप्ति द्वारा विकसित राष्ट्र के लिए विकसित ग्राम पंचायत बनाए



जाने ग्रामीणों ने आपस मे विचार विमर्श किया। पंचायत की जरूरत के अनुसार योजना अंतर्गत सूचीबद्ध 375 कार्यों की पहचान कर रोजगार,स्थाई परिसंपत्तियों का निर्माण और स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

इस संबंध में जानकारी देते हुए कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति ने बताया कि सेवा संकल्प अभियान के दौरान 2 अक्टूबर के ग्राम सभा में जी राम जी योजना से गांव के जरूरत पर बात हुई है। गांव में स्वच्छता बनाए रखने के लिए सामूहिक प्रयास का निर्णय लिया गया। नशा मुक्ति का संकल्प लेकर गांव को विकास के मुख्य धारा से जोड़ने संकल्प हुआ है। विकसित ग्राम पंचायत प्लान तैयार करने के लिए ग्रामीणों को योजनाओं के अभिसरण से मूलभूत विकास की जानकारी दी गई। ग्रामीण भारत के लिए 125 दिन का रोजगार, 300 का प्रतिदिन मजदूरी भुगतान,स्थाई निर्माण कार्यों से आजीविका के नए स्रोतों का सृजन और निर्माण कार्यों में ऑनलाइन अटेंडेंस सहित अन्य पारदर्शी व्यवस्था से ग्रामीणों को रूबरू कराया गया।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अभिषेक अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि विशेष ग्राम सभा के अवसर पर जिले के सभी ग्राम पंचायतो में स्वच्छता ही सेवा अंतर्गत सार्वजनिक स्थानों की साफ सफाई का आयोजन किया गया। जनभागितारी से स्वच्छता का संदेश सभी के लिए प्रेरणादायक रहा। जी राम जी योजना से ग्रामीण अंचलों में दीर्घकालिक विकास के लिए रूपरेखा तैयार किया जाना है। सभी काम ग्रामीणों की इच्छा और उनकी आवश्यकता को ध्यान में रखकर होगा इसी के लिए ग्रामीणों ने आज मिल बैठकर अपने गांव के विकास की कार्य योजना पर व्यापक चर्चा की है।

गांधी-शास्त्री जयंती पर 2 अक्टूबर को राज्यपाल के गोद ग्राम सोनपुरी में विशेष ग्रामसभा आयोजित

रायपुर ■ दैनन्दिनी



राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और भारत के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जन्मजयंती के अवसर पर खैरागढ़ जिले में माननीय राज्यपाल के गोद ग्राम सोनपुरी में विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया गया। ग्राम सभा में केंद्र सरकार की VB–G RAM G योजना के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई तथा ग्राम की आवश्यकताओं के अनुरूप विकास कार्ययोजना तैयार करने पर चर्चा की गई। इस दौरान जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाते हुए विभिन्न विकास कार्यों के संबंध में अपने सुझाव प्रस्तुत किए।

ग्राम सभा के दौरान VB–G RAM G योजना के उद्देश्यों, ग्रामीण विकास में जनभागीदारी तथा ग्राम की आवश्यकताओं के अनुरूप कार्यों की प्राथमिकता तय करने पर चर्चा हुई। ग्रामीणों ने रोजगार के अवसर बढ़ाने, आवश्यक विकास कार्यों की पहचान करने तथा पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने से संबंधित सुझाव दिए। अधिकारियों ने योजना की जानकारी साझा करते हुए कार्ययोजना निर्माण में ग्रामीणों की सहभागिता को महत्वपूर्ण बताया।

ग्राम सभा में महिलाओं की भी सक्रिय सहभागिता रही। महिला स्व-सहायता समूहों, स्वच्छता दीदियों एवं लखपति दीदियों ने ग्राम विकास से जुड़े विषयों पर अपने विचार रखे। इस दौरान ग्राम स्वराज, स्वावलंबन और जनभागीदारी की भावना के अनुरूप सामूहिक प्रयासों से सोनपुरी के विकास को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया गया।

एशियन गेम्स : भारत ने गोल्ड मेडल मुकाबले में पाकिस्तान को 19 रन से हराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के बीच एशियन गेम्स 2026 में खेला गया गोल्ड मेडल मुकाबला इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गया है। पाकिस्तान को भले ही 19 रनों से हार का सामना करना पड़ा हो, लेकिन ये नहीं भूलना चाहिए कि टीम ने आखिरी ओवर तक लगातार संघर्ष किया और हिम्मत नहीं हारी। जीत के बाद जहां टीम इंडिया ने गोल्ड मेडल अपने नाम किया, वहीं पाकिस्तान को सिल्वर मेडल मिला है। इस बीच भारत और पाकिस्तान ने मिलकर पहली बार किसी टी20 इंटरनेशनल मैच में 400 से अधिक रन बना लिए हैं। इससे पहले ऐसा कभी नहीं हुआ। दोनों टीमों ने साल 2012 का रिकॉर्ड तोड़ दिया है।

एशियन गेम्स 2026 के मेंस क्रिकेट फाइनल में भारत और पाकिस्तान की टीमें आपस में आमने सामने आईं। टीम इंडिया के कप्तान श्रेयस अय्यर



ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग चुनी और निर्धारित 20 ओवर में छह विकेट पर 211 रन बना लिए। पाकिस्तान को जीत के लिए 212 रनों की जरूरत थी, लेकिन टीम 20 ओवर में छह विकेट पर 192 रन ही बना सकी और इस तरह से भारत ने 19 रन से मैच जीतने में सफलता हासिल की।

टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है, जब भारत और पाकिस्तान ने मिलकर इस फॉर्मेट में 400 रन पूरे कर लिए हैं। इससे पहले दोनों टीमों ने मिलकर सबसे बड़ा स्कोर 373 रन का बनाया था। ये मैच साल 2012 में अहमदाबाद में खेला गया था। अब दोनों टीमों ने 403 रन बनाने में कामयाबी हासिल की। ये अपने आप में दोनों टीमों के बीच रिकॉर्ड बना गया है।

भारत के लिए तीन जबरदस्त पारियां आईं। पहले अभिषेक शर्मा ने धमाकेदार बल्लेबाजी की और इसके बाद तिलक वर्मा और शिवम दुबे ने भी कमाल की पारी खेली। अभिषेक ने 28 बॉल पर 61 रन बनाए। इसमें तीन चौके और सात छक्के शामिल रहे। तिलक वर्मा की शुरुआत तो धीमी रही, लेकिन बाद में उन्होंने तेजी से रन बनाए। उन्होंने 22 बॉल में 51 रन बनाए। उनके बल्ले से तीन चौके और चार छक्के आए। शिवम दुबे ने केवल 15 बॉल पर ही 27 रन बना दिए। उन्होंने दो चौके और दो छक्के लगाए। पाकिस्तान के लिए केवल हसन नवाज ही अच्छी पारी खेल पाए। उन्होंने 51 बॉल पर 96 रन बनाए। इसमें पांच चौके और सात छक्के शामिल रहे।

रोहित शर्मा ने ध्वस्त किया सचिन तेंदुलकर का 22 साल पुराना वर्ल्ड रिकॉर्ड, 10 हजार रन बनाने वाले दुनिया के चौथे ओपनर बने

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा इस वक्त बेहतरीन बल्लेबाजी कर रहे हैं। जैसे जैसे वनडे विश्व कप 2027 करीब आ रहा है, रोहित अपने फॉर्म में वापस आते जा रहे हैं। रोहित ने अब वेस्टइंडीज के खिलाफ न्यू चंडीगढ़ में खेले जा रहे तीसरे वनडे मुकाबले में सचिन तेंदुलकर का विश्व रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिया। सचिन का ये कीर्तिमान करीब 22 साल पुराना है। रोहित अब बतौर ओपनर वनडे में दस हजार रन बनाने वाले दुनिया के चौथे बल्लेबाज भी बन गए हैं।

रोहित शर्मा अब वनडे में दस हजार रन पूरे करने वाले दुनिया के चौथे सलामी बल्लेबाज बन गए हैं। बतौर ओपनर सबसे तेज दस हजार रन बनाने वाले बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर थे। उन्होंने साल 2004 में ब्रिस्बेन ने ऑस्ट्रेलिया दस हजार रन का आंकड़ा छुआ था। अब रोहित शर्मा ने उनसे 12



पारियां कम खेलकर ही 10,000 रन बना दिए हैं। रोहित ने यहां तक पहुंचने के लिए केवल 202 पारियां खेली हैं। रोहित के अलावा 10 हजार रन बनाने वाले बाकी बल्लेबाजों में सचिन तेंदुलकर के अलावा वेस्टइंडीज के क्रिस गेल और श्रीलंका के सनथ जयसूर्या हैं।

सचिन तेंदुलकर ने ओपनिंग करते हुए अपने वनडे करियर में 15310 रन बनाए हैं। इसके बाद दूसरे नंबर पर श्रीलंका के सनथ जयसूर्या आते हैं, जिन्होंने सलामी बल्लेबाज के तौर पर 12740 रन बनाए हैं। सनथ जयसूर्या ने अपने करियर में ओपनिंग करते हुए 10179 रन बनाए हैं। अब रोहित भी दस हजार के पार पहुंच गए हैं, उनकी कोशिश होगी कि वे जल्द से जल्द क्रिस गेल का पीछे करें। हो सकता है कि अगले साल होने वाले वनडे विश्व कप से पहले वे उन्हें पीछे छोड़कर जयसूर्या के करीब पहुंच जाएं।

वैसे तो रोहित शर्मा अब तक अपने वनडे करियर में 12 हजार से भी अधिक रन बना चुके हैं। इस दौरान उनके बल्ले से 35 शतक और 35 अर्धशतक आए हैं।

पिछले ही मैच में रोहित ने वेस्टइंडीज के खिलाफ धमाकेदार बल्लेबाजी करते हुए अपना 35वीं सेंचुरी पूरी की थी। उन्होंने 75 बॉल पर 101 रन बनाए थे। उन्होंने 10 चौके और छह छक्के लगाए थे। जल्दी ही न्यूजलैंड सीरीज के लिए भारतीय टीम का ऐलान किया जाएगा, उम्मीद की जा रही है कि उसमें भी रोहित शर्मा का नाम होगा और वे खेलते हुए भी दिखाई देंगे।

डेब्यू मैच में पाकिस्तानी गेंदबाज का हुआ बंटाधार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान की क्रिकेट टीम के बीच में एशियन गेम्स 2026 के गोल्ड मेडल मैच में भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर्स में 211 रनों का स्कोर बनाया है। इस मैच में टॉस जीतने के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी टीम इंडिया की तरफ से शानदार बल्लेबाजी देखने को मिली जिसमें ओपनिंग में वैभव सूर्यवंशी और अभिषेक शर्मा की जोड़ी ने विस्फोटक अंदाज में पारी की शुरुआत की और टी20 इंटरनेशनल में पाकिस्तान की तरफ से डेब्यू कर रहे स्पिन गेंदबाज साद मसूद के नाम एक शर्मनाक रिकॉर्ड भी जोड़ दिया। अभिषेक और वैभव ने मिलकर साद मसूद के ओवर में उनकी ऐसी कुटाई की उन्होंने कुल 24 रन दे दिए।

पाकिस्तान की तरफ से इस गोल्ड मेडल मैच में स्पिन गेंदबाज साद मसूद को टी20 इंटरनेशनल में डेब्यू कराने का फैसला लिया गया। भारतीय टीम के खिलाफ मुकाबले में पारी के दूसरे ओवर में गेंदबाजी करने आए साद मसूद का T20I में डेब्यू मैच में उनका पहला ही ओवर किसी बुरे सपने से कम साबित नहीं हुआ। इस ओवर की पहली गेंद पर तो कोई रन नहीं आया लेकिन उसके बाद अगली दो गेंदों पर वैभव सूर्यवंशी ने लगातार दो छक्के जड़ने के साथ ओवर की चौथी गेंद पर एक रन ले लिया। इसके बाद ओवर की पांचवीं गेंद का सामना कर रहे अभिषेक शर्मा ने छक्का जड़ दिया तो वहीं छठी गेंद नो बॉल होने के बाद आखिरी गेंद पर अभिषेक शर्मा ने चौका जड़ने के साथ कुल 24 रन ओवर में बटोर लिए।

इसी के साथ यह ओवर भारत और पाकिस्तान के बीच अभी तक के टी20 इंटरनेशनल मुकाबलों में सबसे महंगा ओवर बन गया। इससे पहले यह शर्मनाक रिकॉर्ड पाकिस्तानी टीम के पूर्व गेंदबाज सईद अजमल के नाम पर था जिन्होंने साल 2012 में अहमदाबाद में खेले गए टी20 मैच में पारी के 19वें ओवर में कुल 22 रन दिए थे।

टीम इंडिया ने इस मुकाबले में जैसे ही 200 रनों का आंकड़ा पूरा किया उसी के साथ यह भारत और पाकिस्तान के बीच में अभी तक के टी20 इंटरनेशनल मुकाबलों में सर्वाधिक स्कोर होने के साथ पहली बार दोनों में से कोई एक टीम 200 रनों का आंकड़ा पार करने में कामयाब हो सकी।

ईशान किशन ने हासिल की बड़ी उपलब्धि

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईशान किशन मौजूदा समय में आईसीसी नंबर-1 टी20 बल्लेबाज हैं और इसका बड़ा कारण उनका साल 2026 में बल्ले से शानदार फॉर्म रहा है। एशियन गेम्स 2026 में पाकिस्तान के खिलाफ गोल्ड मेडल मैच में ईशान किशन के बल्ले से 20 रनों की पारी देखने को मिली लेकिन इसके दम पर वह एक बड़ी उपलब्धि हासिल करने में कामयाब हो गए। ईशान किशन अब टी20 इंटरनेशनल में एक साल में हजार या उससे अधिक रन बनाने वाले वर्ल्ड क्रिकेट में सिर्फ 7वें खिलाड़ी और दूसरे भारतीय हैं। ईशान किशन इसी के साथ स्पेशल लिस्ट का भी हिस्सा बन गए हैं। ईशान से पहले टी20 इंटरनेशनल में एक साल में भारत के लिए हजार या उससे अधिक रन पूर्व कप्तान सूर्यकुमार यादव ने बनाए थे।

टीम इंडिया में लंबे समय के बाद

T20I में यह कारनामा करने वाले बने सिर्फ दूसरे भारतीय खिलाड़ी

वापसी करने के साथ ईशान किशन ने साल 2026 में बल्ले से टी20 इंटरनेशनल में काफी जबरदस्त प्रदर्शन दिखाया है। ईशान किशन ने इस साल अब तक 29 T20I में खेलते हुए 29 पारियों में बल्लेबाजी की है और उसमें उन्होंने 37.22 के शानदार औसत के साथ कुल 1005 रन बनाए हैं। ईशान किशन के बल्ले से इस दौरान एक शतकीय और 7 अर्धशतकीय पारियां देखने को मिली। ईशान किशन इसी के साथ एक साल में टी20 इंटरनेशनल में सूर्यकुमार यादव के बाद सिर्फ दूसरे ऐसे भारतीय खिलाड़ी हैं जो हजार या उससे अधिक रन बनाने में कामयाब हुए हैं। सूर्यकुमार यादव ने साल 2022 में 1164 रन बनाए थे।

टी20 इंटरनेशनल में एक साल में हजार या उससे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी

करनबीर सिंह (ऑस्ट्रिया) - 1472 रन (साल 2025)
मोहम्मद रिजवान (पाकिस्तान) - 1326 रन (साल 2021)
फैज अहमद (बहरीन) - 1251 रन (साल 2025)
सूर्यकुमार यादव (भारत) - 1164 रन (साल 2022)
प्रशांत कुरुप (बहरी) - 1037 रन (साल 2025)
बिलाल जाल्मी (ऑस्ट्रिया) - 1008 रन (साल 2025)
ईशान किशन - 1005* रन (साल 2026)



अब ईशान के पास सूर्या के रिकॉर्ड को तोड़ने का मौका

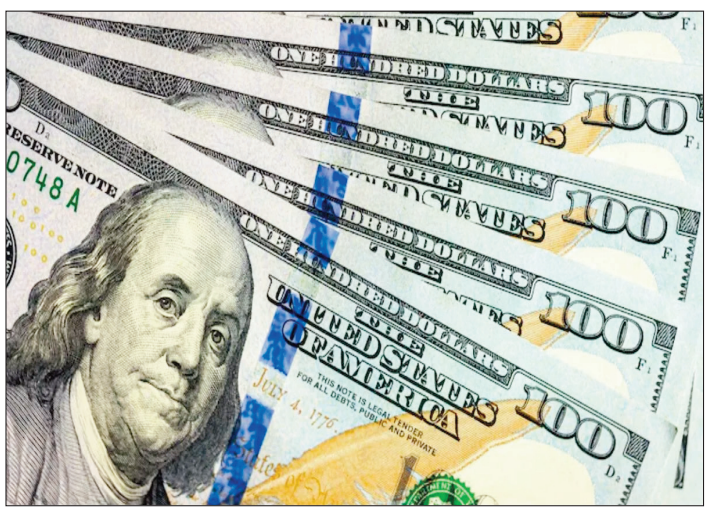
अभी टीम इंडिया को साल 2026 में कुछ टी20 इंटरनेशनल मुकाबले खेलने हैं और ऐसे में ईशान किशन के पास सूर्यकुमार यादव का रिकॉर्ड तोड़ने का भी शानदार मौका रहने वाला है, इसके लिए ईशान को 159 रन और बनाने होंगे जिसके साथ ही वह टी20 इंटरनेशनल में एक साल में भारतीय टीम की तरफ से सबसे ज्यादा रन बनाने के रिकॉर्ड अपने नाम कर लेंगे।

व्यापार

FPIs ने सितंबर में शेयर बाजार से निकाले 35,860 करोड़ रुपये

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (FPIs) लगातार दो महीने की खरीदारी के बाद सितंबर में शुद्ध रूप से बिकवाल रहे। उन्होंने सितंबर में घरेलू शेयर बाजार से कुल 35,860 करोड़ रुपये के शेयर बेचकर पैसे निकाले। सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज लिमिटेड (CDSL) के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी निवेशकों की बिकवाली अक्टूबर में भी जारी रही और उन्होंने 1 अक्टूबर को भी बाजार से 9232 करोड़ रुपये की बिकवाली की।

बताते चलें कि इससे पहले विदेशी निवेशकों ने जुलाई में भारतीय शेयर बाजार में 20,200 करोड़ रुपये और अगस्त में 29,630 करोड़ रुपये का निवेश किया था। सितंबर की ताजा बिकवाली के साथ एफपीआई 2026 में अब तक भारतीय शेयर बाजार से शेयर



बेचकर लगभग 2.7 लाख करोड़ रुपये निकाल चुके हैं। ये पूरे 2025 में हुई 1.66 लाख करोड़ रुपये की निकासी से बहुत ज्यादा है।

अल्फा एएमसी के फंड्स मैनेजर और सीईओ राजेश सिंगला ने कहा कि एफपीआई मुख्य रूप से बाहरी कारकों की वजह से भारतीय शेयरों से पैसा निकाल रहे हैं। इनमें स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से जुड़ी सप्लाई संबंधी चिंताओं के बीच कच्चे तेल की ऊंची कीमतें, रुपये में गिरावट, जुलाई-अगस्त में निवेश के बाद मुनाफावसूली और एआई आधारित उत्तर एशियाई बाजारों की ओर पूंजी का रुख शामिल है।

एसआईपी के जरिए लगातार आ रहा है निवेश

राजेश सिंगला ने कहा, "ये वैश्विक स्तर पर पूंजी के आवंटन का मामला है, घरेलू कंपनियों की कमाई का नहीं।" सिंगला ने कहा कि घरेलू एसआईपी के जरिए लगातार आ रहा निवेश विदेशी बिकवाली के असर को कम करने में मदद कर रहा है। उन्होंने कहा कि लघु और मझोले उद्यम (SME) और छोटे शेयरों वाले सेगमेंट में विदेशी निवेशकों की हिस्सेदारी अपेक्षाकृत कम होने से ये सेगमेंट विदेशी बिकवाली से तुलनात्मक रूप से कम प्रभावित हुए हैं।

अब आगे किन मुद्दों पर निर्भर करेगा FPIs का मूड

एक्सपर्ट्स के अनुसार, एफपीआई की आगे की रणनीति ईरान-अमेरिका संघर्ष और उसका कच्चे तेल की कीमतों पर पड़ने वाले असर पर निर्भर करेगा। उन्होंने कहा कि कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और अमेरिकी बॉन्ड पर ज्यादा प्रतिफल से भारतीय शेयरों और एफपीआई निवेश पर दबाव पड़ सकता है।

अमेरिका की 10 साल की बॉन्ड प्रतिफल करीब 5 प्रतिशत है। हालांकि, एक्सपर्ट्स ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था का मजबूत प्रदर्शन और कंपनियों की कमाई में मजबूत बढ़ोतरी की उम्मीद सकारात्मक कारक हैं।

मोटोरोला ने अपने "इट्स द टाइम टु मोटो" कैंपेन के तहत #बिगबिलियनमोटोडील्स का ऐलान किया

बिलासपुर (एजेंसी)। मोबाइल टेक्नोलॉजी में दुनिया भर में मशहूर और भारत का प्रमुख एआई स्मार्टफोन ब्रांड, मोटोरोला, फ्लिपकार्ट की बिग बिलियन डेज़ सेल 2026 के दौरान अपने #बिगबिलियनमोटोरश ऑफर के तहत बेहतरीन और स्टाइलिश स्मार्टफोन्स पर जबर्दस्त फेस्टिव डिस्काउंट लेकर आया है। मोटोरोला एज 70 फ्यूजन के साथ 30 हजार रुपये के अंदर फ्लैगशिप फीचर्स से लेकर मोटोरोला एज 70 प्रो के साथ 40 हजार रुपये के अंदर असली फ्लैगशिप किलर तक; मोटोरोला एज 70 प्रो+के साथ 45 हजार रुपये के अंदर चार 50MP कैमरों का जबर्दस्त अनुभव; मोटोरोला सिग्नेचर के साथ 60 हजार रुपये के अंदर सिग्नेचर-क्लास कैमरा; और मोटो जी37 पावर के साथ 20 हजार रुपये के अंदर 3 दिन की बैटरी लाइफ वाला फोन—मोटोराला इस त्यौहार के सीजन को बेहतरीन कीमतों और बड़े अपग्रेड के नाम करने के लिए पूरी तरह तैयार है। मोटोरोला एज 70 फ्यूजन 30हजार रुपये के अंदर फ्लैगशिप फीचर्स लेकर आया है, जो कम बजट में प्रीमियम स्मार्टफोन चाहने वालों के लिए मोटोराला की सबसे बेहतरीन डील है। इस फोन में ओआईएस और अल्ट्रा पिक्सल वाले एआई-बेस्ड 50MP सोनी लिटिया™ 710मेन कैमरे के साथ 13MP अल्ट्रा-वाइड + मैक्रो कैमरा और 32MP सेल्फी कैमरा दिया गया है। पैंटोन™ वैलिडेटेड 100% ट्रू कलर और स्किन टोन वाले इस फोन के सभी कैमरों से 4K वीडियो रिकॉर्डिंग की जा सकती है, जिससे रात में भी साफ तस्वीरें आती हैं।

क्रेडाई अध्यक्ष बोले- किफायती घर बनाने में बिल्डर असमर्थ

नई दिल्ली (एजेंसी)। रियल एस्टेट कंपनियों के संगठन क्रेडाई (CREDAI) ने शुक्रवार को कहा कि घर बनाने की लागत में काफी बढ़ोतरी हो गई है। इसके साथ ही, घरों की बिक्री पर टैक्स की ऊंची दरों ने भी काफी दबाव बना दिया है। लागत और टैक्स बढ़ने की वजह से रियल एस्टेट बिल्डरों के लिए 45 लाख रुपये वाले किफायती मकान बनाना बहुत मुश्किल हो गया है। इन बाधाओं को ध्यान में रखते हुए क्रेडाई ने सस्ते फ्लैटों की डिमांड और सप्लाई को रफ्तार देने के लिए सरकार से प्रोत्साहन देने की मांग की है।

किफायती आवास की परिभाषा में बदलाव करने की जरूरत

क्रेडाई के अध्यक्ष शेखर पटेल ने शुक्रवार को एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि केंद्र सरकार प्रत्येक फ्लैट के लिए 45 लाख रुपये की अधिकतम सीमा को खत्म करके किफायती आवास (Affordable Housing) की परिभाषा में बदलाव करना चाहिए। उन्होंने उम्मीद जताई कि सरकार रियल एस्टेट इंडस्ट्री की इस मांग पर ध्यान देगी। पटेल ने कहा, "हम पर्याप्त संख्या में किफायती मकान उपलब्ध कराने में सक्षम नहीं हैं।"

30 से 50 प्रतिशत तक केंद्र सरकार, राज्य सरकारों और नगर निगमों को टैक्स के रूप में चुकाते हैं बिल्डर्स

शेखर पटेल ने कहा कि जमीन की कीमत, निर्माण की बढ़ती लागत और बिक्री मूल्य पर 30 से 50 प्रतिशत तक के ऊंचे टैक्स किफायती आवास की सप्लाई बढ़ाने में प्रमुख बाधाएं हैं। गौरतलब है कि डेवलपर्स बिक्री मूल्य का 30 से 50 प्रतिशत तक केंद्र सरकार, राज्य सरकारों और नगर निगमों को टैक्स के रूप में चुकाते हैं। पटेल ने कहा, "हम इन बाधाओं और चुनौतियों से पार पाने के लिए सरकार के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।"

45 लाख रुपये की अधिकतम सीमा हटाने की मांग

क्रेडाई के अध्यक्ष ने उम्मीद जताई कि सस्ते मकानों की डिमांड और सप्लाई को बढ़ाने के लिए अगले 6 महीनों में कुछ नीतिगत पहल की जाएगी।

पेट्रोल 5 रुपये और डीजल 3 रुपये हुआ महंगा, प्राइवेट कंपनी नायरा एनर्जी ने बढ़ाई ईंधन की कीमतें

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की सबसे बड़े प्राइवेट फ्यूल रिटेलर नायरा एनर्जी ने पेट्रोल के कीमतों में 5 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमतों में 3 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी कर दी है। कंपनी ने पेट्रोल और डीजल की नई कीमतों को तत्काल प्रभाव से लागू भी कर दिया है। मामले से जुड़े सूत्रों ने ये जानकारी दी है। बताते चलें कि पेट्रोल और डीजल के खुदरा विक्रेताओं पर ऊंची वैश्विक ऊर्जा कीमतों के कारण बने नए दबाव के बीच ये ताजा बढ़ोतरी की गई है। ये कदम इस साल नायरा द्वारा किए गए मूल्य समायोजनों के बाद उठाया गया है।

नायरा के 7108 पेट्रोल पंपों पर महंगा हुआ पेट्रोल और डीजल

सूत्रों ने बताया कि देश भर में 7108 पेट्रोल पंप चलाने वाले फ्यूल रिटेलर नायरा ने शनिवार के शुरुआती घंटों से ही पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ा दी हैं। इस मामले में टिप्पणी के लिए नायरा के प्रवक्ता को भेजे गए ईमेल का कोई जवाब नहीं मिला। बताते चलें कि इस साल की शुरुआत में जब ईरान संघर्ष के कारण एनर्जी सप्लाई बाधित हुई थी, तब अंतरराष्ट्रीय बाजारों तेल की कीमतों में



हुई बढ़ोतरी का बोझ उपभोक्ताओं पर डालने वाला नायरा पहला फ्यूल रिटेलर था।

मिडिल-ईस्ट में तनाव शुरू होने के बाद 26 मार्च को बढ़ाई गई थी कीमतें

नायरा ने 26 मार्च को पेट्रोल की कीमतों में 5 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमतों में 3 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की थी। इस बढ़ोतरी के बाद, नायरा के पंपों पर पेट्रोल की कीमत 100.71 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 91.31 प्रति लीटर हो गई थी। इसके बाद पब्लिक सेक्टर के फ्यूल रिटेलर्स ने भी मई में पंपों पर पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी करना शुरू कर दिया था।

सरकारी कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कई बार छोटी-छोटी बढ़ोतरी की, जिससे मई के आखिर तक कुल बढ़ोतरी लगभग 7.50 रुपये प्रति लीटर हो गई।

25 मई को चौथी बार की गई बढ़ोतरी में पेट्रोल की कीमत 2.61 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 2.71 रुपये प्रति लीटर बढ़ाई गई।

नायरा ने जुलाई में घटा दिए थे पेट्रोल और डीजल के दाम

नायरा ने बाद में अपनी मार्च की बढ़ोतरी को वापस ले लिया था। पश्चिम एशिया में तनाव कम होने के बाद अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतों में नरमी आने पर कंपनी ने 1 जुलाई को पेट्रोल के दाम 5 रुपये प्रति लीटर और डीजल के दाम 3 रुपये प्रति लीटर घटा दिए थे।

7.84 लाख में Renault ने लॉन्च की दमदार 7-सीटर कार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय बाजार में 7-सीटर कार खरीदने वालों के लिए रेनो (Renault) ने नया ऑप्शन पेश किया है। कंपनी ने अपनी लोकप्रिय रेनो ट्राइबर (Renault Triber) का टर्बो वर्जन लॉन्च कर दिया है। इसकी शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत ₹7.84 लाख रखी गई है। खास बात यह है कि कम कीमत वाली इस 7-सीटर MPV में अब पहले से ज्यादा दमदार टर्बो पेट्रोल इंजन दिया गया है। कंपनी के मुताबिक, यह कार 21 किलोमीटर प्रति लीटर तक का माइलेज देने में सक्षम है।

रेनो ट्राइबर टर्बो में 1.0-लीटर, 3-सिलेंडर HR10 टर्बो पेट्रोल इंजन दिया गया है। यही इंजन कंपनी की Kiger और Duster जैसी कारों में भी इस्तेमाल होता है। हालांकि, ट्राइबर टर्बो में इंजन मैनेजमेंट सिस्टम को अलग तरीके से ट्यून किया गया है। यह इंजन 100hp की पावर और 180Nm का पीक टॉर्क जनरेट करता है।

वीबी- जीरामजी योजना से 'मेरी बेटी–मेरा अभिमान' धूमा में बना प्रथम बालिका शौचालय



गांधी जयंती पर बेटियों को मिली स्वच्छता, स्वास्थ्य और सम्मान से जुड़ी नई सुविधा

रायपुर ■ दैनन्दिनी

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती पर स्वच्छता और बेटियों के सम्मान का संदेश देते हुए धमतरी जिले के कुरूद विकासखंड की ग्राम पंचायत धूमा में 'मेरी बेटी–मेरा अभिमान' अभियान के अंतर्गत प्रथम बालिका शौचालय का उद्घाटन किया गया। विकसित भारत–रोजगार और आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण) वीबी-जी राम जी योजना के अंतर्गत निर्मित यह शौचालय राज्य में चल रहे 'मेरी बेटी–मेरा अभिमान' अभियान को जमीनी स्तर पर साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

गुलाबी रंग से सजे नव-निर्मित बालिका शौचालय के उद्घाटन के दौरान छोटी बच्चियों ने भी हाथों में इसी संदेश वाली तख्तियां लेकर स्वच्छता, सुरक्षा और बेटियों के सम्मान का संदेश दिया। ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों और बच्चों की भागीदारी ने गांधी जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को विशेष बना दिया।

6 अगस्त को शुरू हुआ था 'मेरी बेटी-मेरा अभिमान' अभियान

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने 6 अगस्त 2026 को वीबी-जी राम जी के अंतर्गत राज्यव्यापी 'मेरी बेटी–मेरा अभिमान' अभियान का शुभारंभ किया था। अभियान 15 अगस्त 2026 से 26 जनवरी 2027 तक संचालित किया जा रहा है। इसके अंतर्गत प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों के 6,671 शासकीय विद्यालयों में लगभग 286.85 करोड़ रुपए की लागत से बालिका शौचालयों के निर्माण का लक्ष्य रखा गया है। अभियान का उद्देश्य ग्रामीण विद्यालयों में पढ़ने वाली बालिकाओं को सुरक्षित और स्वच्छ शौचालय की सुविधा उपलब्ध कराने के साथ उनके स्वास्थ्य, स्वच्छता और गरिमा के अनुकूल वातावरण तैयार करना है।

निर्माण से उद्घाटन तक, धूमा में लगातार हुई निगरानी

धूमा का यह बालिका शौचालय एक दिन में तैयार हुई पहल नहीं है। विकसित भारत-जी राम जी के आयुक्त एवं प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के संचालक श्री तारन प्रकाश सिन्हा ने भी अपने कुरूद विकासखंड के भ्रमण के दौरान ग्राम पंचायत धूमा पहुंचकर बालिका शौचालय के निर्माण कार्य का मैदानी निरीक्षण किया था। उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति देखने के साथ कार्य में लगे श्रमिकों से मजदूरी भुगतान की जानकारी भी ली थी और अधिकारियों को समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए थे। करीब एक महीने बाद गांधी जयंती के अवसर पर इसका उद्घाटन अभियान के उद्देश्य को धरातल पर उतरते हुए दिखाता है।

मेरी बेटी–मेरा अभिमान' अभियान के तहत शासन का मिशन है कि 26 जनवरी 2027 तक राज्य के हर स्कूल में बालिकाओं के लिए शौंचालय सुनिश्चित हो।

जवाहरलाल नेहरू पोर्ट अथॉरिटी की बढ़ती क्षमता से छत्तीसगढ़ के आयात-निर्यात को गति, व्यापार सुगमता पर जोर

वित्त वर्ष 2025-26 में 8.17 मिलियन टीईयू कंटेनर कार्गो का संचालन; प्रमुख बंदरगाहों के कंटेनर यातायात में 53.93 प्रतिशत हिस्सेदारी



रायपुर ■ दैनन्दिनी

भारत के बढ़ते समुद्री व्यापार में जवाहरलाल नेहरू पोर्ट अथॉरिटी (जेएनपीए) महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है और छत्तीसगढ़ के उद्योगों के लिए भी समुद्री व्यापार का एक प्रमुख प्रवेश द्वार है। वित्त वर्ष 2025-26 में जेएनपीए ने 8.17 मिलियन टीईयू (20 फुट के मानक कंटेनर के बराबर इकाई) कंटेनर कार्गो का संचालन किया। यह देश के प्रमुख बंदरगाहों द्वारा संभाले गए कुल कंटेनर यातायात का 53.93 प्रतिशत था। इसी अवधि में बंदरगाह ने 102.01 मिलियन टन कुल कार्गो संभाला।

छत्तीसगढ़ के पत्रकारों के महाराष्ट्र दौरे के दौरान जेएनपीए की महाप्रबंधक मनीषा जाधव ने बंदरगाह की कार्यप्रणाली, व्यापार सुविधाओं और भविष्य की योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बंदरगाह का ध्यान केवल कार्गो संचालन बढ़ाने पर नहीं, बल्कि आयातकों और निर्यातकों के लिए माल की आवाजाही को तेज और सुगम बनाने पर भी है।

37 वर्षों में विकसित हुआ आधुनिक बंदरगाह

जेएनपीए का संचालन 26 मई 1989 को शुरू हुआ था। पिछले 37 वर्षों में यहां कंटेनर, लिक्विड कार्गो और अन्य प्रकार के कार्गो के लिए सुविधाओं का विस्तार किया गया है। वर्तमान में बंदरगाह में पांच कंटेनर टर्मिनल तथा लिक्विड और जनरल कार्गो के लिए अलग टर्मिनल सुविधाएं हैं।

जेएनपीए के अनुसार, बंदरगाह की मौजूदा कंटेनर क्षमता लगभग 10.4 मिलियन टीईयू प्रतिवर्ष है। बढ़ते समुद्री व्यापार को देखते हुए उपलब्ध क्षमता के बेहतर उपयोग और परिचालन दक्षता बढ़ाने पर लगातार जोर दिया जा रहा है।

आयातकों और निर्यातकों के लिए सरल प्रक्रियाएं

आयातकों के लिए जेएनपीए में डायरेक्ट पोर्ट डिलीवरी (डीपीडी) की सुविधा उपलब्ध है। निर्धारित सीमा शुल्क प्रक्रिया पूरी होने के बाद पात्र आयात कंटेनरों को सीधे बंदरगाह से फैक्ट्री या अन्य निर्धारित स्थान तक ले जाया जा सकता है। इससे कंटेनरों की अतिरिक्त हैंडलिंग और उन्हें बीच में किसी अन्य स्थान पर ले जाने की आवश्यकता कम होती है।

जेएनपीए के उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2023-24 में 72.66 प्रतिशत कंटेनरों को डायरेक्ट पोर्ट डिलीवरी के माध्यम से क्लीयर किया गया था।

निर्यातकों के लिए डायरेक्ट पोर्ट एंट्री (डीपीई) की सुविधा उपलब्ध है। इसके तहत निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार फैक्ट्री में तैयार निर्यात कंटेनरों को सीधे बंदरगाह तक लाया जा सकता है। वित्त वर्ष 2023-24 में डायरेक्ट पोर्ट एंट्री का हिस्सा 48.73 प्रतिशत था। इन व्यवस्थाओं का उद्देश्य माल की अनावश्यक आवाजाही और हैंडलिंग को कम करना तथा आयात-निर्यात प्रक्रिया में समय बचाना है। इससे तेज और सुगम अंतरराष्ट्रीय बाजार पहुंच चाहने वाले छत्तीसगढ़ के विनिर्माताओं, निर्यातकों और औद्योगिक इकाइयों को भी लाभ मिल सकता है।

छत्तीसगढ़ और मध्य भारत के लिए महत्वपूर्ण समुद्री संपर्क

जेएनपीए रेल और सड़क नेटवर्क के माध्यम से देश के आंतरिक क्षेत्रों से जुड़ा है। महाराष्ट्र के अलावा छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, बिहार और अन्य राज्यों के उद्योग भी इस कनेक्टिविटी का लाभ उठा सकते हैं।

छत्तीसगढ़ के इस्पात, खनिज, कृषि आधारित, खाद्य प्रसंस्करण और इंजीनियरिंग क्षेत्र के उत्पादों को रेल या सड़क के माध्यम से जेएनपीए तक लाकर समुद्री मार्ग से अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक भेजा जा सकता है। इसी तरह आयातित मशीनरी, औद्योगिक उपकरण और कच्चे माल को जेएनपीए से राज्य के उद्योगों तक पहुंचाया जा सकता है।

समुद्र तट से दूर स्थित छत्तीसगढ़ के लिए जेएनपीए तक बेहतर रेल और सड़क संपर्क विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। इससे राज्य के निर्यातकों को अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंच बनाने और आपूर्ति श्रृंखला को अधिक व्यवस्थित करने में मदद मिल सकती है। जेएनपीए के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में अंतर्देशीय कंटेनर डिपो से जुड़ी रेल परिवहन व्यवस्था के माध्यम से लगभग 1.15 मिलियन टीईयू कंटेनर कार्गो का संचालन किया गया।

परिचालन दक्षता में सुधार

जेएनपीए के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में जहाजों का औसत टर्नअराउंड टाइम 1.71 दिन रहा। इसमें जहाज के बंदरगाह पर आने से लेकर कार्गो संचालन पूरा होने और उसके रवाना होने तक का औसत समय शामिल है। भारत सरकार के अगस्त 2026 के आधिकारिक विवरण के अनुसार, विश्व बैंक और एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस द्वारा जारी कंटेनर पोर्ट परफॉर्मेंस इंडेक्स 2025 में जेएनपीए को 22वें स्थान पर रखा गया है। बंदरगाह प्रशासन के अनुसार, परिचालन समय कम होने से कार्गो की आवाजाही सुगम हो सकती है और लॉजिस्टिक्स प्रक्रिया में समय की बचत हो सकती है। छत्तीसगढ़ के निर्यातकों के लिए बंदरगाह की बेहतर परिचालन दक्षता अंतरराष्ट्रीय व्यापार में अधिक पूर्वानुमानित आपूर्ति समय उपलब्ध कराने में सहायक हो सकती है।

277 हेक्टेयर में विशेष आर्थिक क्षेत्र

जेएनपीए ने 277 हेक्टेयर भूमि पर विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) विकसित किया है। इसका उद्देश्य विनिर्माण और निर्यात आधारित गतिविधियों को बढ़ावा देना है। एसईजेड में कृषि उत्पाद, इंजीनियरिंग सामान, खाद्य उत्पाद और अन्य क्षेत्रों से संबंधित औद्योगिक इकाइयां विकसित की जा रही हैं। बंदरगाह के निकट उत्पादन और निर्यात सुविधाएं उपलब्ध होने से तैयार उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक भेजने में सुविधा मिल सकती है।

छत्तीसगढ़ की खाद्य प्रसंस्करण, इंजीनियरिंग, खनिज और अन्य निर्यात आधारित कंपनियां भी बंदरगाह से जुड़ी ऐसी औद्योगिक और लॉजिस्टिक्स सुविधाओं से लाभ उठा सकती हैं।

ट्रक चालकों के लिए बुनियादी सुविधाएं

बंदरगाह की लॉजिस्टिक्स श्रृंखला में ट्रांसपोर्टर और ट्रक चालक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जेएनपीए ने करीब 45 हेक्टेयर क्षेत्र में केंद्रीकृत पार्किंग प्लाजा विकसित किया है, जिसमें लगभग 3,000 ट्रकों को रखने की क्षमता बताई गई है।

प्लाजा में ट्रक चालकों के लिए ठहरने की सुविधा, शौचालय, स्नानघर और अन्य बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। नियमित स्वास्थ्य जांच शिविर और सुरक्षित ड्राइविंग को प्रोत्साहित करने वाली पहल भी की जा रही हैं।

हरित ऊर्जा और डिजिटल तकनीक पर जोर

जेएनपीए में पर्यावरण-अनुकूल संचालन को बढ़ावा देने के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों और हरित ऊर्जा के उपयोग पर जोर दिया जा रहा है। बंदरगाह परिसर में कंटेनर परिवहन के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों का इस्तेमाल किया जा रहा है और इनकी संख्या बढ़ाने की योजना है।

जहाजों को बंदरगाह पर खड़े रहने के दौरान बिजली उपलब्ध कराने के लिए शोर पावर व्यवस्था विकसित करने की योजना भी बताई गई है। इसका उद्देश्य जहाजों के सहायक इंजनों के उपयोग को कम करना और उत्सर्जन में कमी लाना है।

इसके अलावा, गेट ऑटोमेशन, कंटेनर ट्रैकिंग और अन्य डिजिटल प्रणालियों का उपयोग बंदरगाह संचालन को अधिक व्यवस्थित बनाने के लिए किया जा रहा है। इससे आयातकों और निर्यातकों को कार्गो की आवाजाही पर बेहतर निगरानी रखने में सुविधा मिल सकती है।

वाढवण बंदरगाह से भविष्य में बढ़ेगी क्षमता

महाराष्ट्र में विकसित किया जा रहा वाढवण बंदरगाह भविष्य में देश की समुद्री कार्गो क्षमता बढ़ाने वाली प्रमुख परियोजनाओं में शामिल है। जेएनपीए के अधिकारियों के अनुसार, वाढवण बंदरगाह जेएनपीए से लगभग 150 किलोमीटर दूर है और इसकी प्रस्तावित क्षमता जेएनपीए की वर्तमान क्षमता से लगभग ढाई गुना होगी। वाढवण के विकास से भविष्य में बढ़ते समुद्री व्यापार की जरूरतों के लिए अतिरिक्त क्षमता उपलब्ध होने की संभावना है। इससे छत्तीसगढ़ सहित मध्य भारत के उद्योगों के लिए बंदरगाह अवसंरचना और अंतरराष्ट्रीय समुद्री परिवहन की अतिरिक्त संभावनाएं विकसित हो सकती हैं।

विशेष ग्राम सभा में ग्रामीण विकास सहित बाल विवाह व नशा मुक्ति पर दिलाई शपथ

जशपुर (दैनंदिनी ब्यूरो)। जिले में सेवा संकल्प अभियान 2026 के तहत विभिन्न ग्राम पंचायतों में विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया गया।

इस दौरान ग्रामीण विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता सहित गांव के समग्र विकास से जुड़े विषयों पर चर्चा की गई। 2 अक्टूबर 2026 गांधी जयंती के अवसर पर ग्रामवासियों ने अपने गांव को स्वच्छ रखने की भी शपथ ली। कुरकुंगा के पंचायत भवन में आयोजित विशेष ग्राम सभा में ग्रामीणों के साथ गांव के विकास से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श किया



गया। साथ ही ग्रामीणों एवं किशोर-किशोरियों को बाल विवाह रोकथाम एवं नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई। ग्रामीणों ने अपनी पंचायत को बाल विवाह मुक्त एवं नशा मुक्त पंचायत बनाने का संकल्प लिया। इसी क्रम में जशपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत पैंकू तथा बगीचा विकासखंड के ग्राम बिमड़ा के पंचायत भवन में भी विशेष ग्राम सभा आयोजित की गई। ग्राम सभाओं में ग्रामीण विकास से जुड़े विषयों पर चर्चा करते हुए गांव के समग्र विकास में सामुदायिक सहभागिता सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।

'नमो गाथा' नुक्कड़ नाटक से बालिकाओं ने दिया सेवा संकल्प, स्वच्छता एवं प्लास्टिक मुक्त भारत का संदेश

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय, दुल्लापुर बाजार की बालिकाओं द्वारा नवधा मंच में 'नमो गाथा' के अंतर्गत नुक्कड़ नाटक का प्रभावशाली आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ग्रामीणजन, पालकगण, जनप्रतिनिधि एवं आसपास के क्षेत्र के गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से बालिकाओं ने शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के साथ-साथ स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, प्लास्टिक के उपयोग को कम करने तथा प्लास्टिक मुक्त समाज के निर्माण का संदेश प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। बालिकाओं के संवाद, अभिनय एवं प्रस्तुति ने उपस्थित लोगों को प्रभावित किया और सामाजिक जागरूकता का संदेश दिया। कार्यक्रम श्री जयराम साहू, श्री भुनेश्वर चंद्राकर के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस अवसर पर विकासखंड शिक्षा अधिकारी पंडरिया दीपक ठाकुर, अश्विनी चंद्राकर, राजीव श्रीवास्तव, सोनी सहित वरिष्ठ गणमान्यजन, ग्रामीण एवं पालकगण उपस्थित रहे।



विकासखंड शिक्षा अधिकारी दीपक ठाकुर ने बालिकाओं के शानदार नुक्कड़ नाटक की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता एवं सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने लोगों से अपने घर के साथ-साथ आसपास के क्षेत्र को स्वच्छ रखने तथा प्लास्टिक के उपयोग को कम करने की अपील की। कार्यक्रम में कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय की अधीक्षिका कामिनी जोशी, शिक्षिकाएं नंदनी, किरण एवं सरस्वती, सरस्वती शिशु मंदिर के प्राचार्य गिरीश साहू, अनिल मानिकपुरी सहित विद्यालय परिवार के सदस्य, पालकगण, ग्रामीणजन एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

बालिकाओं ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक करने के साथ ही स्वच्छता को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने, पर्यावरण संरक्षण करने और प्लास्टिक मुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का संदेश दिया। कार्यक्रम का सफल संचालन मोहन शर्मा द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय परिवार की ओर से सभी बालिकाओं को विकासखंड शिक्षा अधिकारी दीपक ठाकुर के हाथों पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। साथ ही अतिथियों, जनप्रतिनिधियों, पालकगण एवं ग्रामीणजनों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।नवधा मंच पर आयोजित यह कार्यक्रम ग्रामीण क्षेत्र में स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक जागरूकता का संदेश जन-जन तक पहुंचाने की दिशा में एक सराहनीय पहल साबित हुआ।

राष्ट्रीय जनगणना 2027 में ओबीसी की जातिवार गणना की मांग



ओबीसी महासभा ने प्रधानमंत्री के नाम एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

गरियाबंद (दैनंदिनी ब्यूरो)। राष्ट्रीय जनगणना 2027 में पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) का जातिवार डेटा संकलित करने तथा जनगणना की अनुसूची में पिछड़ा वर्ग के लिए अलग से कॉलम जोड़ने की मांग को लेकर ओबीसी महासभा जिला गरियाबंद द्वारा प्रधानमंत्री के नाम अनुविभागीय अधिकारी गरियाबंद को ज्ञापन सौंपा गया। यह ज्ञापन केंद्रीय नेतृत्व के आह्वान पर गांधी मैदान गरियाबंद में जिला अध्यक्ष फलेंद्र सिंह साहू के नेतृत्व में सौंपा गया।

इस अवसर पर जिला अध्यक्ष फलेंद्र सिंह साहू ने कहा कि राष्ट्रीय जनगणना में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति की तरह देशभर में पिछड़ा वर्ग की भी अलग से जातिवार गणना की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि 14 अगस्त 2026 को प्रकाशित गजट में पिछड़ा वर्ग के लिए अलग से कोई कॉलम नहीं होने से ओबीसी समाज में नाराजगी है।

साहू ने कहा कि देश में पेड़-पौधों से लेकर जंगल के वन्यजीवों तक की गणना की जाती है, ऐसे में देश की बड़ी आबादी वाले पिछड़ा वर्ग की जातिवार गणना क्यों नहीं की जा रही है। उन्होंने इसे पिछड़ा वर्ग समाज के हितों से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय बताते हुए जनगणना की अनुसूची में ओबीसी के लिए अलग कॉलम जोड़ने की मांग की।

उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 340 एवं 15(4) में पिछड़ा वर्ग के हितों और समान अवसरों से संबंधित प्रावधान किए गए हैं।

ऐसे में पिछड़ा वर्ग की वास्तविक जनसंख्या एवं सामाजिक स्थिति का आंकड़ा सामने आना आवश्यक है, ताकि समाज के विकास और कल्याण के लिए नीतियां बनाने में आंकड़ों का उपयोग किया जा सके।

ओबीसी महासभा ने प्रधानमंत्री के नाम सौंपे ज्ञापन के माध्यम से राष्ट्रीय जनगणना 2027 में पिछड़ा वर्ग के लिए अलग से कॉलम निर्धारित कर जातिवार डेटा संकलित करने की मांग रखी।

इस दौरान जिला महिला अध्यक्ष श्रीमती लता सोनी, शिवदयाल साहू, ब्लॉक उपाध्यक्ष छुरा मनोहर चक्रधारी, ब्लॉक उपाध्यक्ष गरियाबंद उमेद यादव, जिला उपाध्यक्ष यज्ञदत्त वर्मा, घनश्याम देवगन, गंगाराम सिन्हा, विधानसभा राजिम प्रभारी जीतेश्वर साहू, गयाराम साहू, जीवन साहू सहित ओबीसी महासभा के पदाधिकारी एवं सैकड़ों की संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना का एक वर्ष : 850 गांवों में पहली बार पहुंची नियमित बस सेवा

रायपुर ■ दैनन्दिनी

छत्तीसगढ़ के सुदूर वनांचलों और दुर्गम ग्रामीण क्षेत्रों को सुरक्षित, सुलभ और नियमित यात्री परिवहन से जोड़ने के लिए शुरू की गई मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना ने अपने संचालन का एक वर्ष पूरा कर लिया है। 04 अक्टूबर 2025 को जगदलपुर से शुरू हुई इस योजना के माध्यम से आज बस्तर और सरगुजा संभाग के 13 जिलों में 106 चयनित मार्गों पर 107 बसों का संचालन किया जा रहा है। इन बसों ने ऐसे 850 गांवों तक नियमित यात्री बस सेवा पहुंचाई है, जहां पहले यह सुविधा उपलब्ध नहीं थी।

एक वर्ष में मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना की बसों ने लगभग 24 लाख किलोमीटर का सफर तय किया है। वर्तमान में ये बसें प्रतिदिन लगभग 17,500 किलोमीटर चल रही हैं। योजना के अधिसूचित मार्गों की कुल लंबाई करीब 5,300 किलोमीटर है। इन मार्गों की लंबाई 14 किलोमीटर से 105 किलोमीटर तक है और अधिकांश मार्गों पर प्रतिदिन दो ट्रिप संचालित की जा रही हैं।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने योजना के एक वर्ष पूर्ण होने पर कहा कि सुदूर गांव में रहने वाले नागरिक को भी शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, बाजार और प्रशासनिक सेवाओं तक सहज पहुंच का समान अवसर मिलना चाहिए। मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना इसी सोच को धरातल पर उतार रही है। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में कभी नियमित यात्री बस नहीं पहुंचती थी, वहां आज ग्रामीण तय समय पर सुरक्षित बस से स्कूल, अस्पताल, हाट-बाजार, ब्लॉक और जिला मुख्यालय तक पहुंच रहे हैं। यह केवल परिवहन सुविधा का विस्तार नहीं, बल्कि दूरस्थ अंचलों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का माध्यम है।



मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना का शुभारंभ 04 अक्टूबर 2025 को जगदलपुर में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की उपस्थिति में किया था। प्रारंभ में 34 मार्गों पर बस सेवा शुरू की गई थी और करीब 250 गांवों को इससे जोड़ा गया था। एक वर्ष के भीतर इसका दायरा तेजी से बढ़ा है। अब 106 मार्गों पर 107 बसें संचालित हो रही हैं और पहली बार नियमित बस सुविधा से जुड़े गांवों की संख्या बढ़कर 850 हो गई है।

योजना के प्रथम चरण में बस्तर और सरगुजा संभाग को शामिल किया गया है। बस्तर संभाग में 51 मार्गों पर 50 बसें तथा सरगुजा संभाग में 55 मार्गों पर 57 बसें संचालित हैं।

बस्तर संभाग के सुकमा जिले में 8 मार्गों पर 9 बसें, दंतेवाड़ा में 7 मार्गों पर 7 बसें, बीजापुर में 11 मार्गों पर 11 बसें, नारायणपुर में 4 मार्गों पर 4 बसें, बस्तर में 5 मार्गों पर 5 बसें, कांकेर में 12 मार्गों पर 12 बसें और कोंडागांव में 8 मार्गों पर 9 बसें चल रही हैं।

इसी तरह सरगुजा संभाग के सरगुजा जिले में 8 मार्गों पर 8 बसें, सूरजपुर में 10 मार्गों पर 9 बसें, बलरामपुर में 7 मार्गों पर 7 बसें, जशपुर में 16 मार्गों पर 16 बसें, कोरिया में 6 मार्गों पर 6 बसें तथा मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में 4 मार्गों पर 4 बसें संचालित की जा रही हैं।

योजना शुरू करने के पीछे सुदूर ग्रामीण और जनजातीय क्षेत्रों की वास्तविक परिवहन जरूरत महत्वपूर्ण आधार रही। बस्तर और सरगुजा के अनेक गांवों में नियमित बस सेवा नहीं होने के कारण ग्रामीणों को पिकअप एवं अन्य मालवाहक वाहनों में सफर करना पड़ता था। कई बार यात्रियों को खुले हिस्से में बैठकर या खड़े होकर लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी। महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों और मरीजों के लिए यह यात्रा विशेष रूप से कठिन थी।

दुर्गम मार्गों पर यात्रियों की संख्या कम होने के कारण निजी बस संचालकों के लिए नियमित बस चलाना व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य नहीं था।



मेहनत और लगन से प्रतिभाओं ने बढ़ाया परिवार व समाज का गौरव : विजय शर्मा

उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कौशिक समाज की प्रतिभाओं का किया सम्मान

रायपुर ■ दैनन्दिनी

उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक श्री विजय शर्मा कबीरधाम जिले के ग्राम जिंदा में कौशिक समाज द्वारा आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने समाज की विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली प्रतिभाओं का सम्मान कर उनका उत्साहवर्धन किया। समारोह में शिक्षा, कला, खेल, सामाजिक कार्य एवं अन्य क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने प्रतिभाओं को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं तथा उनकी उपलब्धियों की सराहना की।

उप मुख्यमंत्री श्री विजय ने कहा कि समाज की प्रतिभाएं अपनी मेहनत, लगन और प्रतिभा के बल पर न केवल अपने परिवार, बल्कि पूरे समाज का गौरव बढ़ा रही हैं। ऐसे प्रतिभावान युवाओं और विद्यार्थियों का सम्मान एवं प्रोत्साहन उन्हें आगे बढ़ने के लिए नई ऊर्जा प्रदान करता है। उन्होंने प्रतिभाओं से निरंतर मेहनत करते हुए अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ने का आह्वान किया। कार्यक्रम में कौशिक समाज के पदाधिकारी, सामाजिकजन, जनप्रतिनिधि, प्रतिभागी एवं बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहे। समारोह में प्रतिभाओं के सम्मान के साथ समाज की एकजुटता और नई पीढ़ी को प्रोत्साहित करने का सकारात्मक संदेश भी दिया गया।

छत्तीसगढ़ में मानसून मेहरबान: इस सीजन सामान्य से बेहतर वर्षा दर्ज

रायपुर ■ दैनन्दिनी

इस मानसून सीजन में पूरे छत्तीसगढ़ में सामान्य से बेहतर वर्षा दर्ज की गई है। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा जारी 3 अक्टूबर तक के अद्यतन आंकड़ों की माने तो 1 जून से शुरू हुए इस वर्षा सत्र में अब तक राज्य का औसत वर्षा प्रतिशत पिछले 10 वर्षों के औसत के मुकाबले 102.1 प्रतिशत तक पहुंच चुका है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, राज्य में अब तक औसतन 1155.3 मिलीमीटर बारिश दर्ज की जा चुकी है, जबकि पिछले एक दशक के आधार पर इस अवधि का सामान्य औसत 1131.1 मिलीमीटर रहा है।

प्रदेश भर में बारिश का वितरण काफी विविध देखने को मिल रहा है। एक ओर बलरामपुर जिले ने 165.3 प्रतिशत की



औसत दर और 1556.6 मिलीमीटर बारिश के साथ वर्षा प्रतिशत के मामले में पूरे राज्य में शीर्ष स्थान हासिल किया है, वहीं कुल वर्षा के परिमाण में नारायणपुर जिला 1720.2 मिलीमीटर के साथ सबसे आगे है। दूसरी ओर, राज्य के मैदानी और कुछ सीमावर्ती क्षेत्रों में अपेक्षित बारिश नहीं हो पाई है, जिनमें बेमेतरा जिला महज 674.9 मिलीमीटर बारिश और 80.4 प्रतिशत वर्षा दर्ज करके सूची में सबसे निचले पायदान पर है। भौगोलिक आधार पर राज्य के विभिन्न इलाकों का हाल देखा जाए तो उत्तर छत्तीसगढ़ और मैदानी इलाकों के कई जिलों में बादलों ने जमकर पानी बरसाया है। राजधानी रायपुर में सामान्य से काफी अधिक 1307.4 मिलीमीटर बारिश (135.4%) दर्ज की गई है। इसी तरह गरियाबंद में 1463.7 मिमी (130.7%), सारंगढ़-बिलाईगढ़ में 1181.4 मिमी (131.4%), मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में 1216.9 मिमी (122.7%), और बालोद में 1311.8 मिमी (121.6%) वर्षा के साथ औसत का आंकड़ा काफी ऊपर रहा है।

इसके अलावा सूरजपुर, बलौदाबाजार, महासमुंद, धमतरी, मुंगेली, दुर्ग, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, कोंडागांव और दंतेवाड़ा जिलों में भी मानसून का प्रदर्शन संतोषजनक रहा है, जहां बारिश का प्रतिशत 100 से 120 फीसदी के बीच दर्ज किया गया है। प्रदेश के कुछ हिस्सों को मानसून के इस सीजन में थोड़ी निराशा हाथ लगी है। बस्तर संभाग और सरगुजा अंचल के कुछ जिलों में सामान्य औसत से काफी कम वर्षा रिकॉर्ड की गई है। इनमें कांकेर 1222.5 मिमी बारिश (74.3%), सरगुजा 627.3 मिमी (74.9%), मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी 1006.8 मिमी (77.0%), बीजापुर 1516.6 मिमी (79.1%), जशपुर 871.9 मिमी (79.3%).

स्कूली छात्रों ने पढ़ा डिजिटल दुनिया का पाठ

रायपुर ■ दैनन्दिनी

रोटरी क्लब ऑफ रायपुर कॉस्मो दीवाज ने 'हैप्पी स्कूल', टेमरी, रायपुर के छात्रों के लिए एक आकर्षक डिजिटल जागरूकता सत्र का आयोजन किया. इस सत्र का मुख्य उद्देश्य बच्चों को फोन और कंप्यूटर के सुरक्षित, जिम्मेदार और सार्थक उपयोग के प्रति जागरूक करना था. कार्यक्रम के दौरान बच्चों को जिम्मेदार डिजिटल व्यवहार, ऑनलाइन सुरक्षा, व्यक्तिगत जानकारी की सुरक्षा और तकनीक के सही उपयोग के बारे में जानकारी दी गई. छात्रों को बताया गया कि कैसे डिजिटल उपकरण सुरक्षा और जिम्मेदारी के साथ सीखने, रचनात्मकता और संचार के एक शक्तिशाली माध्यम बन सकते हैं. सत्र को रोचक बनाने के लिए जागरूकता कार्यक्रम में बताए गए विषयों पर आधारित एक शैक्षणिक क्विज (प्रश्नोत्तरी) का भी आयोजन किया गया. विद्यार्थियों ने इसमें उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी समझ का परिचय दिया. प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करने के लिए विजेताओं को पुरस्कार भी वितरित किए गए. क्विज़ और पुरस्कार वितरण के पश्चात बच्चों को जलपान (स्नैक्स) कराया गया, जिससे कार्यक्रम का समापन आनंदमय और खुशनुमा माहौल में हुआ.

इस पहल से बच्चों को सुरक्षित और जिम्मेदार तरीके से डिजिटल



दुनिया से जुड़ने का मूल्यवान ज्ञान मिला, साथ ही सीखने की प्रक्रिया भी इंटरैक्टिव और मनोरंजक रही. यह आयोजन रोटरी के "सर्विस अबव सेल्फ़" (स्वयं से पहले सेवा) के मूल मंत्र और शिक्षा, डिजिटल जागरूकता तथा बच्चों के सर्वांगीण विकास के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है.

शिवरीनारायण-खैरताल मार्ग के लिए 22.08 करोड़ रुपये स्वीकृत

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेश में मजबूत सड़क नेटवर्क और बेहतर कनेक्टिविटी के विस्तार पर विशेष जोर दे रही है। इसी दिशा में जांजगीर-चांपा जिले के शिवरीनारायण-खैरताल मार्ग के मजबूतीकरण एवं पुल-पुलिया निर्माण के लिए 22 करोड़ 8 लाख 59 हजार रुपये की शासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। लगभग 11.70 किलोमीटर लंबे इस महत्वपूर्ण मार्ग के उन्नयन से क्षेत्रवासियों की लंबे समय से चली आ रही मांग पूरी होने के साथ ग्रामीण क्षेत्र में आवागमन की सुविधाएं और बेहतर होंगी।

इतिहास रचने के लिए अटूट परिश्रम और निरंतर प्रयास ज़रूरी : टंकराम

रायपुर ■ दैनन्दिनी

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के स्वर्णिम और आत्मनिर्भर भारत के सपने को आकार देने के उद्देश्य से चलाए जा रहे श्सेवा संकल्प अभियानश् के तहत बलौदाबाजार के वर्धमान स्कूल में शनिवार को जिला स्तरीय चित्रकला, रंगोली और भाषण प्रतियोगिता का रंगारंग आयोजन संपन्न हुआ। इस अवसर पर स्कूली विद्यार्थियों ने अपनी कलात्मक कूचियों के रंगों और ओजस्वी वाणी के शब्दों से ष्विकसित भारतष् की एक जीवंत तस्वीर पेश की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे प्रदेश के राजस्व मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने प्रतिभागी विद्यार्थियों के हुनर की सराहना करते हुए प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विजेताओं को स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। समारोह को संबोधित करते हुए राजस्व मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने कहा कि 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक आयोजित यह माहव्यापी अभियान युवाओं और बच्चों में राष्ट्र निर्माण की अलख जगाने का माध्यम है। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि इतिहास रचने के लिए अटूट परिश्रम और निरंतर प्रयास की आवश्यकता होती है। आज की मेहनत ही आने वाले कल के उज्ज्वल भविष्य की नींव रखेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जीवन को एक खुली पाठशाला बताते हुए उन्होंने कहा कि उनके जीवन दर्शन से सीख लेकर हर वर्ग आगे बढ़ सकता है। साथ ही उन्होंने रेखांकित किया कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ को देश का अग्रणी और विकसित राज्य बनाने की दिशा में हर स्तर पर प्रतिबद्धता से कार्य किया जा रहा है।प्रतियोगिता के परिणामों में प्रतिभा की अद्भुत चमक देखने को मिली। रंगोली प्रतियोगिता के कनिष्ठ वर्ग (कक्षा 1ली से 8वीं) में निधि यादव ने पहला, पुष्पांजलि कन्नौजे ने दूसरा तथा गरिमा सोनकर ने तीसरा स्थान हासिल किया, वहीं वरिष्ठ वर्ग (कक्षा 9वीं से 12वीं) में रेखा प्रथम, दीपाक्षी पटेल द्वितीय और नंदिनी तृतीय स्थान पर रहीं। भाषण प्रतियोगिता के कनिष्ठ वर्ग में सौम्या वर्मा, देविका वर्मा और प्रियांशु साहू ने क्रमशः पहला, दूसरा और तीसरा स्थान प्राप्त किया, जबकि वरिष्ठ वर्ग में लाभा वर्मा ने बाजी मारी, रागिनी श्रीवास दूसरे और गीतिका गोस्वामी तीसरे स्थान पर रहीं। वहीं चित्रकला के कनिष्ठ वर्ग में हिमांशी साहू प्रथम, कुसुम कोशले द्वितीय और विद्या साहू तृतीय स्थान पर रहीं.



भाजपा को अपने ही नेताओं के लगाए आरोपों का जवाब देना चाहिए : कांग्रेस

रायपुर ■ दैनन्दिनी

प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा सरकार के कथित ट्रांसफर उद्योग की पोल अब भाजपा के अपने नेता ही खोल रहे हैं। नरहरपुर जनपद पंचायत सदस्य भोपेश नेताम ने अपनी शिक्षिका मां का ट्रांसफर रुकवाने के लिए डेढ़ लाख रुपये देने का गंभीर आरोप लगाया है। नेताम का दावा है कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव के फोन के बाद भी उन्हें पैसा देना पड़ा। इससे बड़ा दुर्भाग्य क्या होगा कि भाजपा का अपना जनपद सदस्य अपनी मां का ट्रांसफर रुकवाने के लिए कथित रूप से पैसे देने की बात कह रहा है। भाजपा सरकार को बताना चाहिए कि आखिर वह कौन-सा तंत्र है जहां फोन से भी काम नहीं होता और बिना पैसे के काम अटक जाता है? प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भोपेश नेताम ने भाजपा संगठन मंत्री पवन साय और रामू रोहरा पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं। गंगरेल बांध के टेंडर को कथित रूप से फोन कर निरस्त करवाने, जनपद पंचायत अध्यक्ष पद की दावेदारी को पैसे के दम पर खत्म करने और कथित लेनदेन के जरिए अध्यक्ष बनाने जैसे आरोप बेहद गंभीर हैं। ये आरोप किसी विपक्षी नेता ने नहीं, भाजपा के अपने नेता ने लगाए हैं। भाजपा को इन आरोपों का जवाब देना चाहिए और निष्पक्ष जांच करानी चाहिए। प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा सरकार में ट्रांसफर, पोस्टिंग, टेंडर और सप्लाई तक में पैसे के खेल के आरोप लगातार सामने आ रहे हैं। वर्षों से सरकारी काम करने वाले भाजपा से जुड़े लोगों से काम छीने जाने की शिकायतें हैं। अब भाजपा के कार्यकर्ता ही पूछ रहे हैं कि आखिर संगठन और सरकार में उनकी सुनवाई कहां है? भाजपा सरकार में कार्यकर्ताओं के पेट पर लात और कथित वसूली तंत्र के खिलाफ आक्रोश बढ़ रहा है। कांकेर में भाजपा नेताओं के इस्तीफे से लेकर प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में सामने आ रही नाराजगी बताती है कि भाजपा के भीतर सब कुछ ठीक नहीं है। प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष यदि अपने ही कार्यकर्ताओं की समस्याओं का समाधान नहीं करा पा रहे हैं तो संगठन केवल दिखावे का रह गया है। सरकार में बैठे लोगों की कथित वसूली और भ्रष्टाचार के आरोपों से जनता के साथ-साथ भाजपा के कार्यकर्ता भी परेशान हैं। प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने भाजपा सरकार से पूछा भाजपा नेता के डेढ़ लाख रुपये देने के आरोप की जांच कब होगी? पवन साय और रामू रोहरा पर लगाए गए गंभीर आरोपों की जांच कौन करेगा? गंगरेल बांध के टेंडर को कथित रूप से निरस्त कराने की सच्चाई क्या है? जनपद पंचायत अध्यक्ष बनाने में कथित लेनदेन के आरोपों की जांच क्यों नहीं हो रही? भाजपा को सुशासन के विज्ञापन बंद कर अपने ही नेताओं के लगाए आरोपों का जवाब देना चाहिए।

रायपुर में लगा 'स्वदेशी हाट': महिला कारोबारियों और स्व-सहायता समूहों ने लगाए स्टॉल

रायपुर ■ दैनन्दिनी

गांधी जयंती के मौके पर रायपुर के दावरा इंटरनेशनल स्कूल में 'स्वदेशी हाट–द आत्मनिर्भर भारत' और 'आनंद मेला' का आयोजन किया गया। श्री लोहाना महा परिषद, महिला विंग (सेंट्रल इंडिया) के सहयोग से हुए कार्यक्रम में स्थानीय उत्पादों, कला, संस्कृति और महिला उद्यमियों के काम को प्रदर्शित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य स्थानीय प्रतिभाओं, स्वदेशी उत्पादों और छोटे कारोबार से जुड़े लोगों को मंच देना था। मेले में महिलाओं, युवाओं, स्थानीय कारोबारियों



और स्व-सहायता समूहों ने अपने-अपने स्टॉल लगाए। यहां लोगों ने स्टॉल पर जाकर सामान की जानकारी ली और अपनी पसंद के उत्पादों की खरीदारी भी की। मेले में छत्तीसगढ़ की कला, संस्कृति और परंपरा की झलक देखने को मिली। स्थानीय कारीगरों और उद्यमियों ने अपने बनाए उत्पाद प्रदर्शित किए। आयोजकों ने बताया कि ऐसे आयोजनों से स्थानीय स्तर पर काम करने वाले लोगों को अपने उत्पादों की पहचान बनाने और उन्हें बाजार तक पहुंचाने का अवसर मिलता है। आयोजक प्रगति मिरानी ने कहा, कार्यक्रम में महिला उद्यमियों और स्व-सहायता समूहों की विशेष भागीदारी रही। महिलाओं ने अपने व्यवसाय और उत्पादों के बारे में लोगों को जानकारी दी। इसके साथ ही युवाओं और स्थानीय व्यवसायियों ने भी अपने काम और उत्पादों को लोगों के सामने रखा। मेले में परिवारों और समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने हिस्सा लिया। आयोजक डॉली राय सिन्हा ने कहा ने आत्मनिर्भर भारत की शुरुआत स्थानीय स्तर से होती है। स्थानीय उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने और स्थानीय प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर देने से आत्मनिर्भरता की भावना मजबूत होती है। इसी उद्देश्य से स्वदेशी हाट का आयोजन किया गया, ताकि लोग स्थानीय उत्पादों से जुड़ें और उन्हें प्रोत्साहित करें। आयोजन में पहुंचे शैलेश करिया ने बताया कि स्वदेशी हाट और आनंद मेला लोगों की अच्छी भागीदारी के कारण बहुत सफल रहा। स्थानीय उत्पादों और महिला उद्यमियों को मिले मंच को लोगों का अच्छा समर्थन मिला। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन आगे भी किए जाएंगे, ताकि स्थानीय प्रतिभाओं, महिला उद्यमियों और स्व-सहायता समूहों को लगातार अपना काम आगे बढ़ाने का अवसर मिलता रहे।

रायपुर में ट्रांसपोर्ट कारोबारी का अपहरण स्कॉर्पियो में जबरन ले गए तीन लोग

रायपुर ■ दैनन्दिनी

राजधानी रायपुर में ट्रांसपोर्ट कारोबारी के अपहरण का सनसनीखेज मामला सामने आया है। घटना खमतराई थाना क्षेत्र के डीएम टावर के पास की बताई जा रही है, जहां काले रंग की स्कॉर्पियो में सवार तीन लोग ट्रांसपोर्ट कारोबारी प्रतीक राय को जबरन अपने साथ ले गए। घटना के बाद से कारोबारी का मोबाइल फोन बंद है। मिली जानकारी के मुताबिक, घटना 2 अक्टूबर की दोपहर करीब 2:28 बजे की है। प्रतीक राय घर से खाना खाने के लिए डीएम टावर के पास पहुंचे थे। इसी दौरान कुछ लोगों ने उन्हें बातचीत के बहाने नीचे बुलाया। नीचे पहुंचने के बाद उन्हें जबरन काले रंग की स्कॉर्पियो में बैठाकर वहां से ले जाया गया। घटना के बाद जब प्रतीक राय से संपर्क करने की कोशिश की गई तो उनका मोबाइल बंद मिला। इसके बाद उनकी पत्नी अनिता राय ने खमतराई थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने स्कॉर्पियो के नंबर UP 32 RR 7454 को जांच का अहम आधार बनाया है। बताया जा रहा है कि कॉलोनी के एक युवक ने तीन संदिग्धों में से दो के मोबाइल नंबर पुलिस को बताए हैं। पुलिस इन नंबरों और वाहन की जानकारी के आधार पर मामले की जांच आगे बढ़ा रही है। खमतराई पुलिस ने अपहरण का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के साथ ही संदिग्धों और कारोबारी की तलाश में जुटी है। फिलहाल प्रतीक राय के अपहरण के पीछे की वजह और उनकी मौजूदा स्थिति को लेकर पुलिस जांच जारी है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक ब्रजेश शुक्ला द्वारा खसरा नं. 317/4, सालासर ग्रीन्स के पीछे, सरोना रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं दैनंदिनी प्रिन्टर्स, सरोना रायपुर से मुद्रित। संपादक- ब्रजेश शुक्ला, RNI-CHHHIN/2010/34274, फोन-0771-4059450, ई-मेल-mail2dainandini@gmail.com